CENTRAL SANSKRIT UNIVERSITY

NEW DELHI

www.sanskrit.nic.in
56-57, Institutional Area,Janakpuri, New Delhi-110058
011-28524993, 011-28521994

CENTRAL SANSKRIT UNIVERSITY

New Delhi

3.4.5

Number of Research Papers per teacher in aforesaid joutnals

CENTRAL SANSKRIT UNIVERSITY

NEW DELHI

Number of research papers per teacher in the Journals notified on UGC website/recognised peer reviewed journals/ reputed journals published by Sanskrit/ General Universities/ Departments/ Research Institutes and notified journals by the Central Sanskrit University (Formerly Rashtriya Sanskrit Sansthan) in its website and in the Conference Proceedings (10)

For Supporting documents of Q_nM 3.4.5

Click links

Additional information

View document

View document

3.4.5 Number of research papers per teacher in the Journals notified on UGC website/recognised peer reviewed journals/ reputed journals published by Sanskrit/ General Universities/ Departments/ Research Institutes and notified journals by the Central Sanskrit University (Formerly Rashtriya Sanskrit Sansthan) in its website and in the Conference Proceedings (10)

विगतेषु पञ्चसु वर्षेषु विश्वविद्यालयानुदानायोगस्य जालस्थाने अधिसूचितासु शोधपत्रिकासु समीक्षितपत्रिकासु, संस्कृतविश्वविद्यालयैः तद्विभागैः प्रकाशितासु प्रतिष्ठितशोधपत्रिकासु, केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य (प्राक्तनस्य राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानस्य) जालस्थाने अधिसूचितासु शोधपत्रिकासु सम्मेलनकार्यवृत्तेषु वा प्रत्येकम् अध्यापकस्य प्रकाशितशोधपत्राणां सङ्ख्या।

3.4.5.1: Number of research papers in aforesaid journals year-wise during the last five years

विगतेषु पञ्चसु वर्षेषु उपर्युक्तशोधपत्रिकासु प्रकाशितशोधपत्राणां वार्षिकी सङ्ख्या।

Title of paper	Name of the author/s	Department of the teacher	Name of journal	Year of publication	ISSN number	Link of the recognition in UGC enlistment of the Journal
शोधपत्रस्य शीर्षकम्	लेखकस्य नाम	प्राध्यापकस्य विभागः	शोधपत्रिकायाः नाम	प्रकाशनवर्षम्	आई. एस्. एस्. एन्. सङ्ख्या	विश्वविद्यालयानुदानायोगेन परिचिह्नितासु शोधपत्रिकासु प्रकाशितशोधलेखानां सन्धानम्
वैदिक वाङ्मय में स्त्री एक विमर्श	प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी	तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग, सं.सं.वि.वि	वैश्विक वाङ्मय में स्त्री उन्नयन-एक विमर्श वीर बहादुर पब्लिकेशन	2018	ISBN-978-93-82061-40-3	
एकं सद् विपा बहुआ वदन्ति	प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी	तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग, सं.सं.वि.वि	सन्त गणिनाथ राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,मुहम्मदाबाद, गोहना, मऊ	2018		
आयुर्वेद विश्व की एक अमूल्य निधि	प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी	तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग, सं.सं.वि.वि	Application of Ayurvedic fundamentals in present scenario	2019	ISBN-978-93-80756-80-6	
धर्मदर्शने मानवीयमूल्यानि	प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी	तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग, सं.सं.वि.वि	शोध प्रवाह	2019	ISSN-2249-6749	
नेपाल एवं भूटान में नाथ सम्प्रदाय का प्रभाव	प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी	तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग, सं.सं.वि.वि	नाथ पन्थ साधना और साहित्य	2020	ISBN-978-81-943764-8-4	
एकात्म मानववाद की अवधारणा	प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी	तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग, सं.सं.वि.वि	शोधमाला	2021	ISSN-0975-7457	
भारीय वाङ्मय को आचार्य विद्यासागर महाराज का योगदान	प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी	तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग, सं.सं.वि.वि	आचार्य विद्यासागर विरचित षट्शतीग्रन्थीय श्रमणशतकविमर्शः	2021		
जल संकट एक विमर्श	प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी	तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग, सं.सं.वि.वि	शैक्षिक मन्थन	2021	ISSN-2581-4133	
सेव्यतां संस्कृत सदा	प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी	तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग, सं.सं.वि.वि	पश्यन्ती	2021	ISBN-978-93-90964-27-7	
वाल्मीकि रामायणे दर्शनम्	प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी	तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग, सं.सं.वि.वि	सारस्वती सुषमा	2021	ISSN-2277-4416	
यम: संयमतामहम् (दण्डधारियों में मैं यमराज हूँ)	प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी	तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग, सं.सं.वि.वि	श्रीमद्भावद्गीतोक्त भगवद्विभूतिविमर्श	2021	ISBN-978-81-950812-9-5	
विराजतां काव्यमिदं चिराय	प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी	तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग, सं.सं.वि.वि	देवाधिदेवाश्रीनीलकण्ठमहाकाव्यम्	2021	2078 वि.स.तदनुसार महाकाव्यम्	
भारतीयदर्शने ब्राह्मण श्रमण परम्परयो: विकासक्रम:	प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी	तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग, सं.सं.वि.वि	सुसंस्कृतम्	2021	ISSN-2277-7024	
श्री सद्गुरु रामसिंहजी महाराज गुरु परंपराभिवन्दन	प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी	तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग, सं.सं.वि.वि	सद्गुरु रामसिंह जी महाराज पीठ, सं.सं.वि.वि.	2021		
एकं सदं विप्रा बहुआ वदन्ति	प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी	तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग, सं.सं.वि.वि	The Original Source Centre for Historical and Cultural studies and research] Varanasi	2022	ISSN-2319-6297	
भारतीय न्याय व्यवस्थायां स्मृतीनां योगदानम्	प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी	तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग, सं.सं.वि.वि	Current Journal Vishal Bharat Sansthan, Varanasi, U.P	2022	ISSN-2348-6228	
सर्वं विष्णुमयं जगत्	प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी	तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग, सं.सं.वि.वि	पत्रिका- अन्नदा देवी गुरूकुल सं.महा.वि.,शिवाला	2022		
पुण्यश्लोरजेन्दाचार्यप्रशस्ति:	प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी	तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग, सं.सं.वि.वि	सर्जना शिखर	2022	ISBN-978-93-91214-19.7	
सम्पादन	प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी	तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग, सं.सं.वि.वि	प्राच्य विद्या में अनुसन्धान के विविध आयाम	2022	ISBN-978-81-955804-1	
सम्पादन	प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी	तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग, सं.सं.वि.वि	सारस्वती सुषमा		ISSN-2277-4416	
सम्पादन	प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी	तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग, सं.सं.वि.वि	सुसंस्कृतम्		2277-7024	
स्फुटग्रह विमर्श	डॉ०मधुसुदन मिश्र	ज्योतिषविभाग, सं.सं.वि.वि.		2019	ISBN-978-81-942034-1	
ज्योतिषशास्त्रस्य दर्शनिकी दृष्टि	डॉ०मधुसुदन मिश्र	ज्योतिषविभाग, सं.सं.वि.वि.	संकेत	2018	2349.3127	

चन्द्रस्पष्टीकरणे वैज्ञानिकसंस्काराणामनु शीलवम्	डॉ०मधुसुदन मिश्र	ज्योतिषविभाग, सं.सं.वि.वि.		2021	554.9884	
स्फुटग्रह संस्कार विमार्श	डॉ०मधुसुदन मिश्र	ज्योतिषविभाग, सं.सं.वि.वि.	संस्कृत विद्या	2022	975.8348	
वैदिक मानवीय मूल्यों की आधुनिक परिप्रेक्ष्य में प्रासङ्गिकता	डॉ०विजय कुमार शर्मा	वेद विभाग, सं.सं.वि.वि.	वेदाञ्जलि	2018	ISSN NO. 2349-364X	
वेदों में जीवन का स्वरूप	डॉ०विजय कुमार शर्मा	वेद विभाग, सं.सं.वि.वि.	पीताम्बरामृत	2020	ISSN NO. 2456-7590	
योग की विश्वशान्ति में भूमिका	डॉ०विजय कुमार शर्मा	वेद विभाग, सं.सं.वि.वि.	वेदाञ्जलि	2021	ISSN NO. 2349-364X,I.F.No.3.250	
वेदोक्त वनस्पति एवं औषधि विज्ञान भूमिका	डॉ०विजय कुमार शर्मा	वेद विभाग, सं.सं.वि.वि.	शब्दार्णव	2021	ISSN NO. 2395-5104,I.F.No.3.015	
भारतीय संस्कृति के अभ्युदय में ऋषि-मुनियों का योगदान	डॉ०विजय कुमार शर्मा	वेद विभाग, सं.सं.वि.वि.	प्रज्ञा प्रबोधिनी	2022		
स्वदेशी का मूलभाव	प्रो. शैलेश कुमार मिश्र	राजनितिक विज्ञानविभाग, सं.सं.वि.वि.	शैक्षिक मन्थन	2020	2581-4133	
आत्मनिर्भर भारत का सेतु बंध: राष्ट्रीय शिक्षा नीति	प्रो. शैलेश कुमार मिश्र	राजनितिक विज्ञानविभाग, सं.सं.वि.वि.	शैक्षिक मन्थन	2021	2581-4133	
भारतीय अस्मिता के समक्ष वर्तमान चुनौतियाँ	प्रो. शैलेश कुमार मिश्र	राजनितिक विज्ञानविभाग, सं.सं.वि.वि.	शैक्षिक मन्थन	2021	2581-4133	
लोक कल्याणकारी सनातन संस्कृति ही जीवन का तत्व	प्रो. शैलेश कुमार मिश्र	राजनितिक विज्ञानविभाग, सं.सं.वि.वि.	दैनिक जागरण	2021		
लोक तंत्र की अमृत यात्रा	प्रो. शैलेश कुमार मिश्र	राजनितिक विज्ञानविभाग, सं.सं.वि.वि.	राष्ट्रधर्म अमृत महोत्सव विशेषांक भाग-२	2022	2581-6179	
ज्ञान,अध्यात्म और शिव की नगरी काशी	प्रो. शैलेश कुमार मिश्र	राजनितिक विज्ञानविभाग, सं.सं.वि.वि.	काशी शब्दोत्सव स्मारिका	2023		
भारतीय लोकतंत्र का नव्य भव्य मन्दिर	प्रो. शैलेश कुमार मिश्र	राजनितिक विज्ञानविभाग, सं.सं.वि.वि.	राष्ट्रधर्म	2023	2023	
भारतीय संस्कृति में विकास की अवधारणा	प्रो. शैलेश कुमार मिश्र	राजनितिक विज्ञानविभाग, सं.सं.वि.वि.	अवधप्रहरी	2023	प्रकाशनाधीन	
शिवानी के उपन्यासो में पुरूष पात्रों का वर्गीय रूप	डॉ० विद्या कुमारी चन्द्रा	आधुनिक भाषा एंव भाषा विज्ञान विभाग, सं.सं.वि.वि.	विद्यावार्ता	2018	ISSN - 2319 9318	
वैदिककाल से आधुनिक काल तक स्त्री शिक्षा-विमर्श	डॉ० विद्या कुमारी चन्द्रा	आधुनिक भाषा एंव भाषा विज्ञान विभाग, सं.सं.वि.वि.		2018	ISBN-NO-978-93-82061-3	
हिन्दी साहित्य और सिनेमा २०१८	डॉ० विद्या कुमारी चन्द्रा	आधुनिक भाषा एंव भाषा विज्ञान विभाग, सं.सं.वि.वि.		2018	ISBN-NO-978-81-930869-7-1	
लोक साहित्य में प्रतिरोध और प्रगतिशीलता	डॉ० विद्या कुमारी चन्द्रा	आधुनिक भाषा एंव भाषा विज्ञान विभाग, सं.सं.वि.वि.	विद्यावार्ता	2019	ISSN - 2319 9318	
तेजेन्द्र शर्मा की कविताओं में धड़कतती संवेदनाएँ	डॉ० विद्या कुमारी चन्द्रा	आधुनिक भाषा एंव भाषा विज्ञान विभाग, सं.सं.वि.वि.		2019	ISBN-NO-978-93-88260-60-2	
वैशिवक परिदृश्य में हिन्दी का योगदान	डॉ० विद्या कुमारी चन्द्रा	आधुनिक भाषा एंव भाषा विज्ञान विभाग, सं.सं.वि.वि.		2019	ISBN-NO-ISO NO-9001:2015	
वृद्ध जीवन की यथार्थता: छत पर दस्तक कहानी का संदर्भ	डॉ० विद्या कुमारी चन्द्रा	आधुनिक भाषा एंव भाषा विज्ञान विभाग, सं.सं.वि.वि.	दृष्टिकोण	2019	ISSN: 0975-119X	
प्रवासी हिन्दी साहित्य चारिक अनुशीलन	डॉ० विद्या कुमारी चन्द्रा	आधुनिक भाषा एंव भाषा विज्ञान विभाग, सं.सं.वि.वि.			ISSN: 0975-119X	
लोक साहित्य में प्रतिरोध और प्रगतिशीलता	डॉ० विद्या कुमारी चन्द्रा	आधुनिक भाषा एंव भाषा विज्ञान विभाग, सं.सं.वि.वि.	विद्यावार्ता	2019	ISSN: 2319-9318	
तुलसीदास का समाजिक चिंतन सम्पादक	डॉ० विद्या कुमारी चन्द्रा	आधुनिक भाषा एंव भाषा विज्ञान विभाग, सं.सं.वि.वि.		2020	978-81-944374-2-0	
ममता कालिया कृत उपन्यास बेघर में स्त्री शोष्ण का विरोध	डॉ० विद्या कुमारी चन्द्रा	आधुनिक भाषा एंव भाषा विज्ञान विभाग, सं.सं.वि.वि.	दृष्टिकोण	2020	ISSN: 0975-119X	
पथरीला सोना-पाँचवे खण्ड की केन्द्रीय संवेदना	डॉ० विद्या कुमारी चन्द्रा	आधुनिक भाषा एंव भाषा विज्ञान विभाग, सं.सं.वि.वि.	रामदेव धुरंधर कृत: पथरीला सोना में भारतीय मजदूरों और उनकी संतानों का यथार्थ चित्रण	2021	ISBN:978-93-91119-66-9	
प्रवासी साहित्य की पृष्ठभूमि और सुंदरता: स्त्री विषयक	डॉ० विद्या कुमारी चन्द्रा	आधुनिक भाषा एंव भाषा विज्ञान विभाग, सं.सं.वि.वि.	दृष्टिकोण	2021	ISSN: 0975-119X	
कानून संहिता में नारी विमार्श	डॉ० विद्या कुमारी चन्द्रा	आधुनिक भाषा एंव भाषा विज्ञान विभाग, सं.सं.वि.वि.	दृष्टिकोण	2021	ISSN: 0975-119X	
प्रवासी हिन्दी कहानी साहित्य में मानवीय संवेदना	डॉ० विद्या कुमारी चन्द्रा	आधुनिक भाषा एंव भाषा विज्ञान विभाग, सं.सं.वि.वि.	भारतीय संस्कृति के उन्नयन में प्रवासी साहित्यकार	2021	ISBN:978-81-952128-4-2	
दिनकर के काव्य में मिथक	डॉ० विद्या कुमारी चन्द्रा	आधुनिक भाषा एंव भाषा विज्ञान विभाग, सं.सं.वि.वि.	सैद्धान्तिकी	2022	ISSN: 0974-8504	
समकालिन हिन्दी महिला उपन्यासकारों की रचनाओं में स्त्री विमर्श	डॉ० विद्या कुमारी चन्द्रा	आधुनिक भाषा एंव भाषा विज्ञान विभाग, सं.सं.वि.वि.	समकालिन हिन्दी महिला उपन्यासकारों की रचनाओं में स्त्री विमर्श	2022	ISBN:978-93-91119-54-6	
प्रस्थानत्रयी के आलोक में भाषा चिन्तन	प्रो० सुधाकर मिश्र	वेदान्त विभाग, सं.सं.वि.वि.	भारत में भाषा चिन्तन की परम्पराएँ	2021	ISBN-978-93-85156-13-1	
वेदाङ्गव्याकरणदिशशाब्दनाश स्वरूपंम् एंव प्रयोगविज्ञानम्	डॉ० कुंजबिहारी द्विवेदी	न्याय विषैशिक विभाग, सं.सं.वि.वि.	शोध-दृष्टि सृजन	2019	0976-6650	
वैज्ञानिकसृष्टिविषयक: वेदव्याकरणये: विवेयनम्	डॉ० कुंजबिहारी द्विवेदी	न्याय विषैशिक विभाग, सं.सं.वि.वि.	Inter Lisciplinary Journal Obtant	2019	2393-8358	
आचार्यनागेशोभिमततकर्म द्वितीयार्थ विमर्श:	डॉ० कुंजबिहारी द्विवेदी	न्याय विषैशिक विभाग, सं.सं.वि.वि.	परिशीलनम्	2021	2231-6221	
स्थानपरंतर्थस्वरूपविमर्श	डॉ० कुंजबिहारी द्विवेदी	न्याय विषैशिक विभाग, सं.सं.वि.वि.	अनुकृति	2022	2250-1193	
कालस्वरूपमीमांसा	डॉ० कुंजबिहारी द्विवेदी	न्याय विषैशिक विभाग, सं.सं.वि.वि.	सरस्वती सुषमा	2022	2277-4416	
विविधशास्त्राभिमतकरणतृतीययार्थ विमर्श:	डॉ० कुंजबिहारी द्विवेदी	न्याय विषैशिक विभाग, सं.सं.वि.वि.	परिशीलनम्	2022	2231-6221	

विविधशास्त्राभिमतलऽर्थ विमर्श:	डॉ० कुंजबिहारी द्विवेदी	न्याय विषैशिक विभाग, सं.सं.वि.वि.	संस्कृत विद्या	2022	0975-8348	
विविधशास्त्राभिमतसम्प्रदानविभवत्यर्थ विचार:	डॉ० कुंजबिहारी द्विवेदी	न्याय विषैशिक विभाग, सं.सं.वि.वि.	Inter Lisciplinary Journal Obtant	2023	2393-8358	
मुनित्रयमित्यादिमङ्गश्लोकशाब्दबोध विमर्श:	डॉ० कुंजबिहारी द्विवेदी	न्याय विषैशिक विभाग, सं.सं.वि.वि.	शोध-दृष्टि सृजन	2023	0976-6650	
भट्टोजिदीक्षिताभिमत कौण्डभट्टाभिमता धिकरणसधतम्यथ। विमर्श:	डॉ० कुंजबिहारी द्विवेदी	न्याय विषैशिक विभाग, सं.सं.वि.वि.	शोध-दृष्टि सृजन	2023	0976-6650	
स्फोटविस्फोट	प्रो० राम किशोर त्रिपाठी	आचार्यवेदान्त विभाग, सं.सं.वि.वि.	शोधप्रज्ञा	2018	ISSN: 2347-9892	
ज्ञानस्वप्रकाश विमर्श	प्रो० राम किशोर त्रिपाठी	आचार्यवेदान्त विभाग, सं.सं.वि.वि.	हरिद्वार	2018		
वैदिक धर्माधारित भानवता	प्रो० राम किशोर त्रिपाठी	आचार्यवेदान्त विभाग, सं.सं.वि.वि.		2018		
संस्कृते विद्यमानाम् आजीविका साधनानां विस्तारोपाय:	प्रो० राम किशोर त्रिपाठी	आचार्यवेदान्त विभाग, सं.सं.वि.वि.	परिशीलनम्	2018	ISSN: 2231-6221	
बालकथा साहित्य मानवहित साधनम्	प्रो० राम किशोर त्रिपाठी	आचार्यवेदान्त विभाग, सं.सं.वि.वि.		2019	ISSN: 2231-6221	
वेदान्तशास्त्राभिमत भक्तिस्वरूपविमर्श:	प्रो० राम किशोर त्रिपाठी	आचार्यवेदान्त विभाग, सं.सं.वि.वि.	शोधप्रभा	2019	ISSN: 0974-8946	
श्री हर्षस्य वादपद्धति:	प्रो० राम किशोर त्रिपाठी	आचार्यवेदान्त विभाग, सं.सं.वि.वि.		2019	ISSN: 2231-6221	
स्वतन्त्रा: सुखमश्नुते	प्रो० राम किशोर त्रिपाठी	आचार्यवेदान्त विभाग, सं.सं.वि.वि.		2019	ISSN: 2231-6221	
अक्षर पुरूषोत्त्यदर्शनस्य अन्यदर्शनेशो वैशिष्टयम्	प्रो० राम किशोर त्रिपाठी	आचार्यवेदान्त विभाग, सं.सं.वि.वि.		2019	ISSN: 2231-6221	
आचारेणोपशाम्यन्ति संकयणजन्यव्याधय:	प्रो० राम किशोर त्रिपाठी	आचार्यवेदान्त विभाग, सं.सं.वि.वि.		2020	ISSN: 2231-6221	
सांख्ययोगवेदान्ताभिमत साधनविमर्श:	प्रो० राम किशोर त्रिपाठी	आचार्यवेदान्त विभाग, सं.सं.वि.वि.	व्यासश्री	2023	ISSN: 2320-2025	
साख्ययागदर्शने ईश्वर तत्त्वविमर्श:	डॉ० ललित कुमार चौबे	सांख्ययोगतन्यागम विभाग, सं.सं.वि.वि.	शोधप्रवाह	2018		
सांख्यगेगाभिमत महत्तत्त्वविमर्श:			शोधप्रवाह	2019		
योगस्वरूपविमर्श:			मन्दाकिनी	2020		
उपनिषत्सु प्रतिपाद्यज्ञान् स्वरूपम्				2021		

डॉ0 विजय कुमार शर्मा द्वारा Peer Reviewed Refereed Jourbal पत्रिका में प्रकाशित शोधपत्र-2018

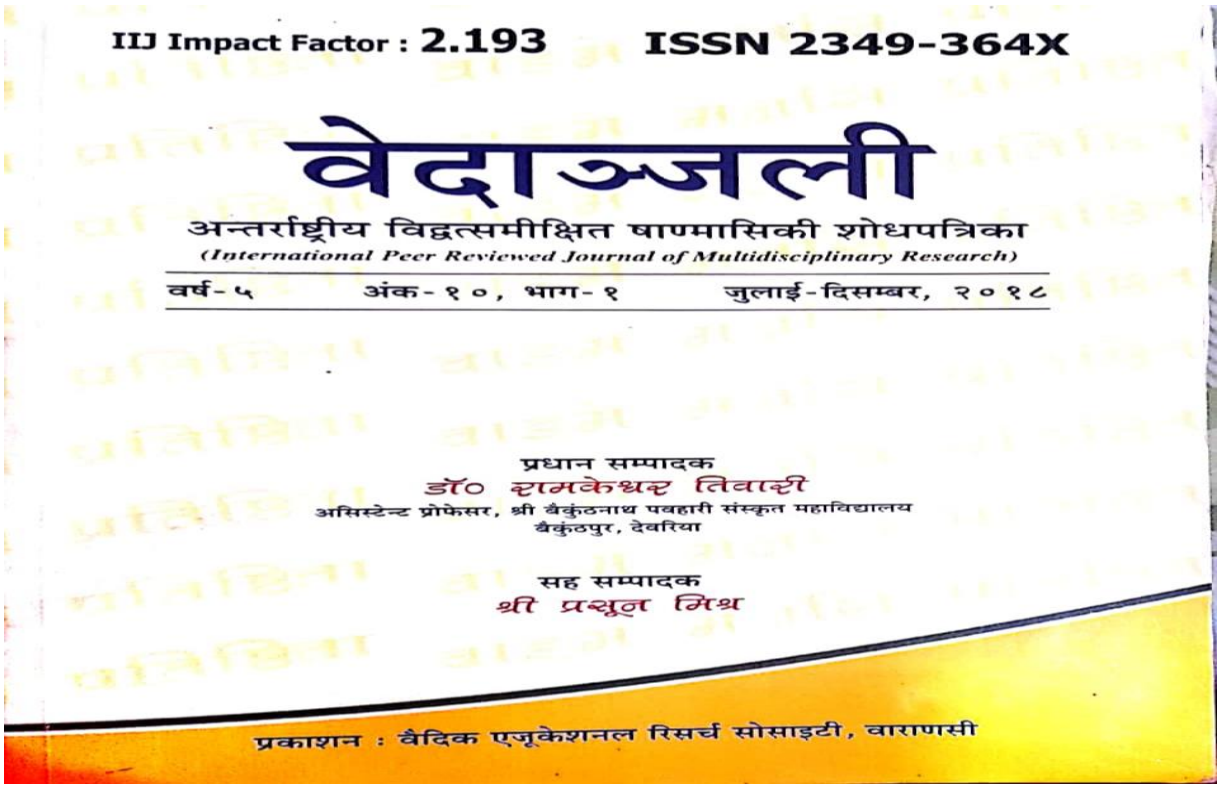

IIJ Impact Factor : 2.193 ISSN 2349-364X

वेदाञ्जली

अन्तर्राष्ट्रीय विद्वत्समीक्षित षाण्मासिकी शोधपत्रिका
(International Peer Reviewed Journal of Multidisciplinary Research)
वर्ष-५ अंक-१०, भाग-१ जुलाई-दिसम्बर, २०१८

प्रधान सम्पादक
डॉ० रामकेश्वर तिवारी
असिस्टेन्ट प्रोफेसर, श्री बैकुंठनाथ पवहारी संस्कृत महाविद्यालय
बैकुंठपुर, देवरिया

सह सम्पादक
श्री प्रसून मिश्र

प्रकाशन : वैदिक एजूकेशनल रिसर्च सोसाइटी, वाराणसी

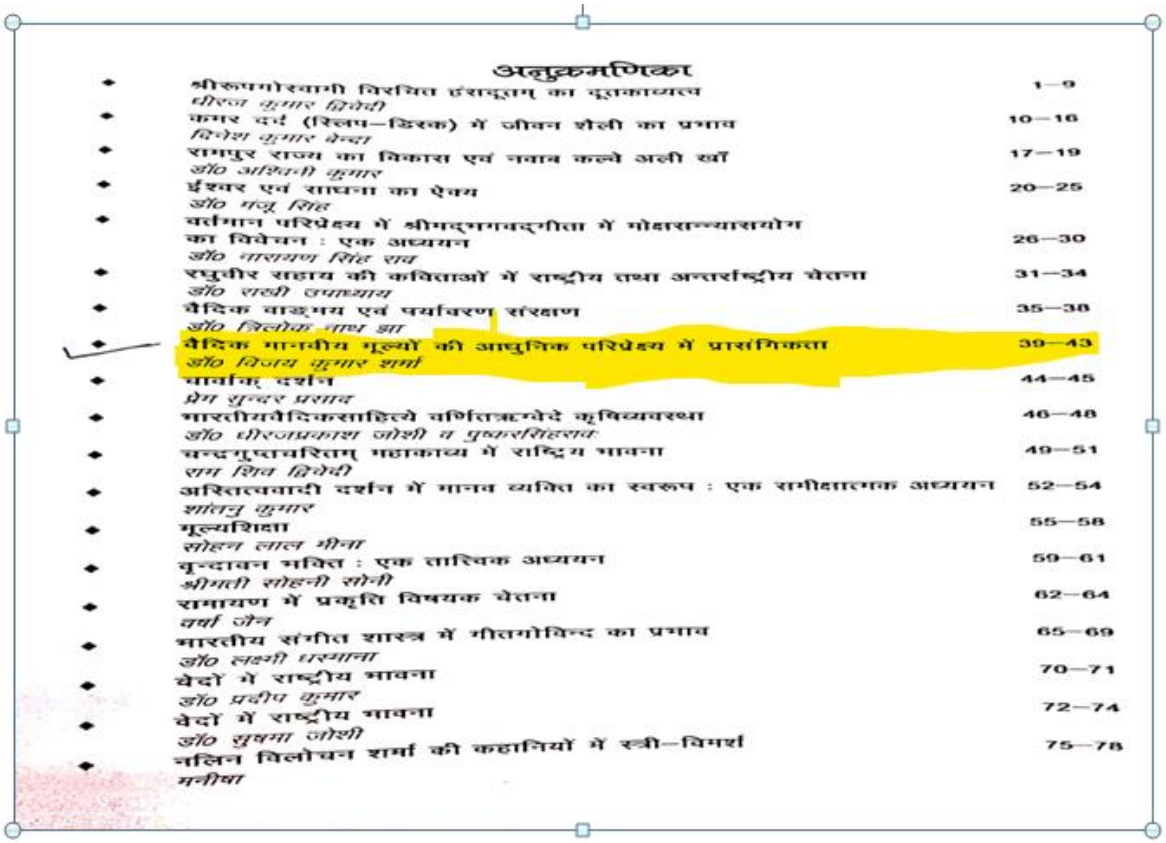

अनुक्रमणिका

- श्रीरूपगोस्वामी विरचित हंसदूतम् का दूतकाव्यत्व — 1—9
  धीरज कुमार द्विवेदी
- कमर दर्द (स्लिप—डिस्क) में जीवन शैली का प्रभाव — 10—16
  दिनेश कुमार बेन्दा
- रामपुर राज्य का विकास एवं नवाब कल्बे अली खाँ — 17—19
  डॉ० अश्विनी कुमार
- ईश्वर एवं साधना का ऐक्य — 20—25
  डॉ० मंजू सिंह
- वर्तमान परिप्रेक्ष्य में श्रीमद्भगवद्गीता में मोक्षसन्न्यासयोग का विवेचन : एक अध्ययन — 26—30
  डॉ० नारायण सिंह राव
- रघुवीर सहाय की कविताओं में राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय चेतना — 31—34
  डॉ० राखी उपाध्याय
- वैदिक वाङ्मय एवं पर्यावरण संरक्षण — 35—38
  डॉ० त्रिलोक नाथ झा
- वैदिक मानवीय मूल्यों की आधुनिक परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता — 39—43
  डॉ० विजय कुमार शर्मा
- चार्वाक् दर्शन — 44—45
  प्रेम सुन्दर प्रसाद
- भारतीयवैदिकसाहित्ये वर्णितऋग्वेदे कृषिव्यवस्था — 46—48
  डॉ० धीरजप्रकाश जोशी व पुष्करसिंहराव
- चन्द्रगुप्तचरितम् महाकाव्य में राष्ट्रिय भावना — 49—51
  राम शिव द्विवेदी
- अस्तित्ववादी दर्शन में मानव व्यक्ति का स्वरूप : एक समीक्षात्मक अध्ययन — 52—54
  शांतनु कुमार
- मूल्यशिक्षा — 55—58
  सोहन लाल मीना
- वृन्दावन भक्ति : एक तात्त्विक अध्ययन — 59—61
  श्रीमती सोहनी सोनी
- रामायण में प्रकृति विषयक चेतना — 62—64
  वर्षा जैन
- भारतीय संगीत शास्त्र में गीतगोविन्द का प्रभाव — 65—69
  डॉ० लक्ष्मी धस्माना
- वेदों में राष्ट्रीय भावना — 70—71
  डॉ० प्रदीप कुमार
- वेदों में राष्ट्रीय भावना — 72—74
  डॉ० सुषमा जोशी
- नलिन विलोचन शर्मा की कहानियों में स्त्री—विमर्श — 75—78
  मनीषा

डॉ0 विजय कुमार शर्मा द्वारा Peer Reviewed Refereed Jourbal पत्रिका में प्रकाशित शोधपत्र- 2018

विषय-सूची

लेखशीर्षकम्	लेखकनाम	पृष्ठसंख्या
१. जातिवादसम्बन्धे वेदमतम्	प्रो० हरिप्रसाद अधिकारी	५-१०
२. पाणिनीयव्याकरणेऽनुबन्धविवेचनम्	नवराज पाण्डेयः 'चातकः'	११-१९
३. न्यायवैशेषिकदर्शनयोः तर्कस्य स्वरूपनिरूपणम्	श्रीमती नीता मद्वराई	२०-२९
४. दशगणीयधातूनां परिचयः	अवधनारायणमिश्रः	३०-३१
५. श्रीमद्भगवद्गीतायामद्वैततत्त्वम्	लेखनाथपौडयालः	३२-३६
६. संस्कृतव्याकरणशास्त्राणां विकासक्रमः	पुष्पराज तिवारी	३७-४०
७. श्रीडोलेश्वरमहादेवकेदारनाथधाम्नः संक्षिप्तपरिचयः	विजयजङ्गमः	४१-४२
८. ज्योतिषशास्त्रे मासादीनां गणना	लोमश लामिछाने	४३-५४
९. वैदिक वाङ्मय में पञ्च-महायज्ञ विधान	डॉ0 श्यामलेश कुमार तिवारी	५५-६०
१०. सामगान की 'निधन' भक्ति का वैशिष्ट्य तथा स्वरूप	डॉ० विजय कुमार शर्मा	६१-७०
११. ऋग्वेद के उषस् सूक्त में वर्णित विशेषण शब्दों का व्युत्पत्ति मूलक चिन्तन	डॉ०उमाशंकर तिवारी	७१-७७
१२. कबीर एक आदर्श सन्त	लक्ष्मी प्रसाद शर्मा	७८-८१
१३. अद्वैतवेदान्त में जीव निरूपण	भाग्यश्री पाठक	८२-८६
१४. 'मतान्तरम्' मुक्तक काव्य : युगबोध की सशक्त अभिव्यक्ति	विमलेन्दु कुमार त्रिपाठी	८७-९०
१५. गीता आर्यसमाजी हो गई	स्वामी विवेकानन्द सरस्वती	९१-९६

❖ ❖ ❖

प्रो. दिनेश कुमार गर्ग जी द्वारा पत्रिका में प्रकाशित शोधपत्र-2018

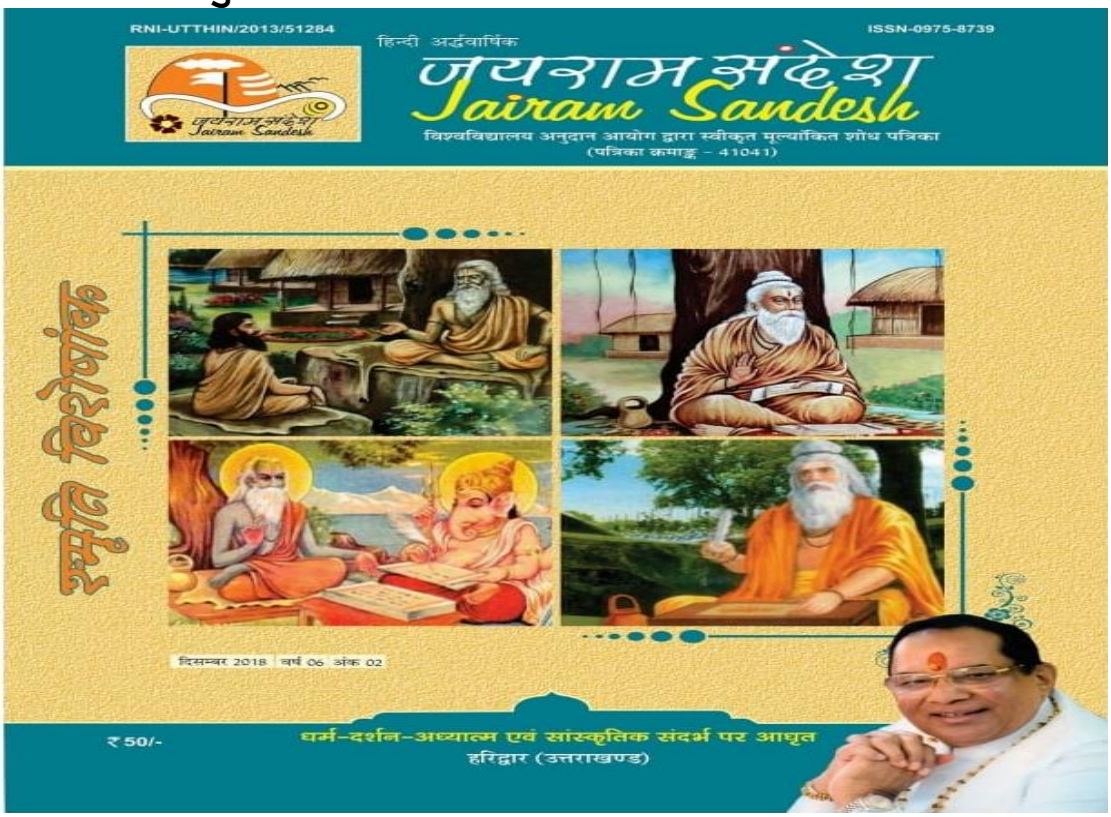

जयराम संदेश
Jairam Sandesh
धर्म-दर्शन-अध्यात्म एवं सांस्कृतिक संदर्भ पर आधृत

जुलाई–दिसम्बर
2018 ई.
विक्रम सम्वत् 2075

वर्ष : 06 अंक : 02

संरक्षक :
प. पू. ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी
परमाध्यक्ष : जयराम संस्थाएँ

**

परामर्शदातृ मण्डल
प्रो० वशिष्ठ त्रिपाठी (वाराणसी)
डॉ० रामभद्रदास श्रीवैष्णव (प्रयाग)
प्रो० रमेश कुमार पाण्डेय (दिल्ली)
प्रो० हरेराम त्रिपाठी (दिल्ली)
प्रो० रमाकान्त पाण्डेय (जयपुर)

**

सम्पादक
डॉ. शिवशङ्कर मिश्र
मोबाइल नं. 9456328499
ई-मेल : shivshankarmishra74@gmail.com

**

शोधपत्र परीक्षक मण्डल
प्रो० जे.के. गोदियाल (पौड़ी)
प्रो० राम बहादुर शुक्ल (जम्मू)
डॉ० रामनारायण द्विवेदी (दिल्ली)
डॉ० दिनेश कुमार गर्ग (वाराणसी)
डॉ० रामविनय सिंह (देहरादून)
डॉ० रामरतन खण्डेलवाल (हरिद्वार)

**

प्रूफ संशोधक
मनमुदित नारायण शुक्ल

**

प्रकाशक :
श्री जयराम आश्रम
भीमगोड़ा, हरिद्वार – 249401 (उत्तराखण्ड)
मोबाइल नं. 01334-260251
ई-मेल : jairamsandesh@gmail.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी द्वारा [illegible] प्रिंटर्स, निकट [illegible] पुल, जनपद-हरिद्वार, उत्तराखण्ड से मुद्रित एवं श्रीजयराम आश्रम भीमगोड़ा, जनपद हरिद्वार से प्रकाशित
सम्पादक : डॉ. शिवशंकर मिश्र

अनुक्रम

आशीर्वचन
सम्पादकीय
प्रमुख स्मृतियों में स्त्री अधिकारों की समीक्षा......प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र................1
कृच्छ्रः सान्तपनो नाम.............डॉ० शिवशंकर मिश्र/श्री विष्णु प्रसाद सेमवाल..........10
वेद और अनुवर्ती स्मृति–ग्रन्थ......................डॉ० बदीप्रसाद पंचोली...................15
वशिष्ठ स्मृति का आचार–दर्शन...................डॉ० बैकुण्ठ नाथ शुक्ल.................17
स्मृतियों में प्रतिपादित...............................डॉ० भारतेन्दु द्विवेदी.......................21
स्मृतियों में कर्त्तव्याकर्त्तव्य.........................डॉ० आशुतोष गुप्त.........................26
मनुस्मृति के आलोक में राजधर्म ....डॉ० लज्जापन्त (भट्ट)..................29
धर्म और स्मृति ग्रन्थ.................................. डॉ० कीर्तिवल्लभ शक्टा..................31
स्मृतियों की दृष्टि में वेदाध्ययन ....डॉ० गोपाल प्रसाद शर्मा.................33
अत्युत्तम है स्मृतियों की आचार व्यवस्था ....प्रो० रामराज उपाध्याय..................37
स्मृतिस्तु धर्मसंहिता ....डॉ० विजय कुमार पाण्डेय..............39
दक्षस्मृति में नारी का स्वरूप ....प्रो० मिनति रथ...........................43
मानवता के उद्देश्यभूत स्मृतिशास्त्र ....डॉ० अनिलानन्द..........................45
स्मृतिशास्त्र के जनक आचार्य मनु ....म.म. मोहनानन्द मिश्र..................47
स्मृतियों में शासन व्यवस्था ....डॉ० दिनेश कुमार गर्ग.................49
स्मृतियों में वर्णित वैश्विक चिन्तन ....डॉ० विजय लक्ष्मी.........................51
स्मृतियों में वर्णित प्रायश्चित्त निदान ....डॉ० नबीता जम्वाल......................55
स्मृति और लोकव्यवहार.............................डॉ० राम सलाही द्विवेदी.................61
सूत्रसाहित्य एवं स्मृतियों में वर्णित ....प्रो० राम सुमेर यादव.....................63
मनुस्मृति में वर्णित अपराधों के विविध रूप ....डॉ० ब्रजेन्द्र कुमार सिंहदेव.............67
याज्ञवल्क्यस्मृति में वर्णित ऋण एवं ....डॉ० शिवेश कुमार पाण्डेय..............72
स्मृति मीमांसा ....डॉ० कृपाशंकर मिश्र/मुदित पाण्डेय..............75
स्मृतिकालीन अपराध, न्यायिक प्रक्रिया ....विजय गुप्ता 77
मनुस्मृति में भक्ष्याभक्ष्य वस्तुओं ....प्रियंका शर्मा..............................83
वर्तमान परिपेक्ष्य में याज्ञवल्क्य ....राजेश प्रसाद गैरोला.....................88
प्रमुख स्मृति ग्रन्थों के अनुसार विधि ....विपन कुमार 90
स्मृतियों में वर्णित स्त्रीधन.........सत्येन्द मणि त्रिपाठी/डॉ0 जीवन कुमार भट्टराई......96
याज्ञवल्क्यस्मृति में पशु हत्या.......................सतीश नौटियाल..........................99
जयराम आश्रम द्वारा संचालित विविध सेवाप्रकल्प

पत्रिका ऑनलाईन उपलब्ध - jairamashram.org/publication jairamsandeshpatrika

- पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त चिन्तन से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं।
- पत्रिका के सम्बन्ध में किसी भी विवाद के निस्तारण का न्याय क्षेत्र केवल हरिद्वार होगा।
- पत्रिका के सम्पादक एवं परामर्शदातृमण्डल के समस्त सदस्य पूर्णतया अवैतनिक हैं।

प्रो. रामकिशोर त्रिपाठी, आचार्य, वेदान्त विभाग, संसं.वि.वि. द्वारा प्रकाशित शोधपत्र- 20218

ISSN 2231-6221

परिशीलनम्

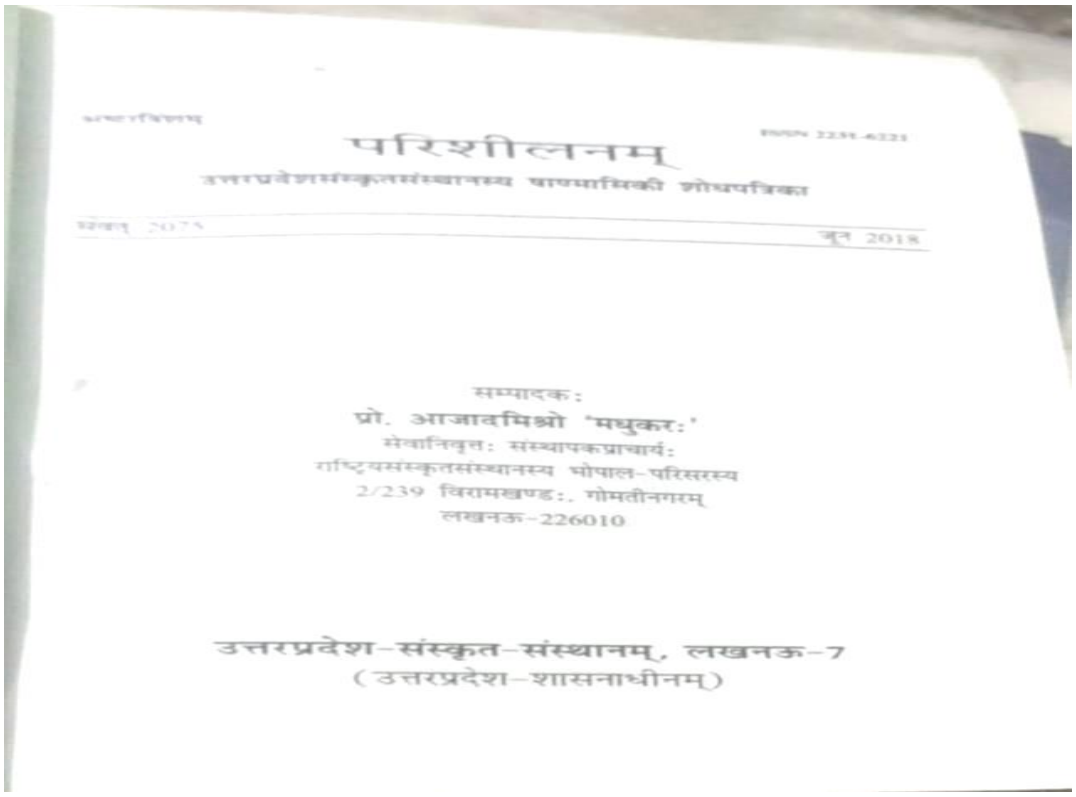

उत्तरप्रदेशसंस्कृतसंस्थानस्य षाण्मासिकी शोधपत्रिका

संवत् 2075 जून 2018

सम्पादक:

प्रो. आजादमिश्रो 'मधुकर:'

सेवानिवृत्त: संस्थापकप्राचार्य:

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानस्य भोपाल-परिसरस्य

2/239 विरामखण्ड:, गोमतीनगरम्

लखनऊ-226010

उत्तरप्रदेश-संस्कृत-संस्थानम्, लखनऊ-7

(उत्तरप्रदेश-शासनाधीनम्)

विषयानुक्रमणिका

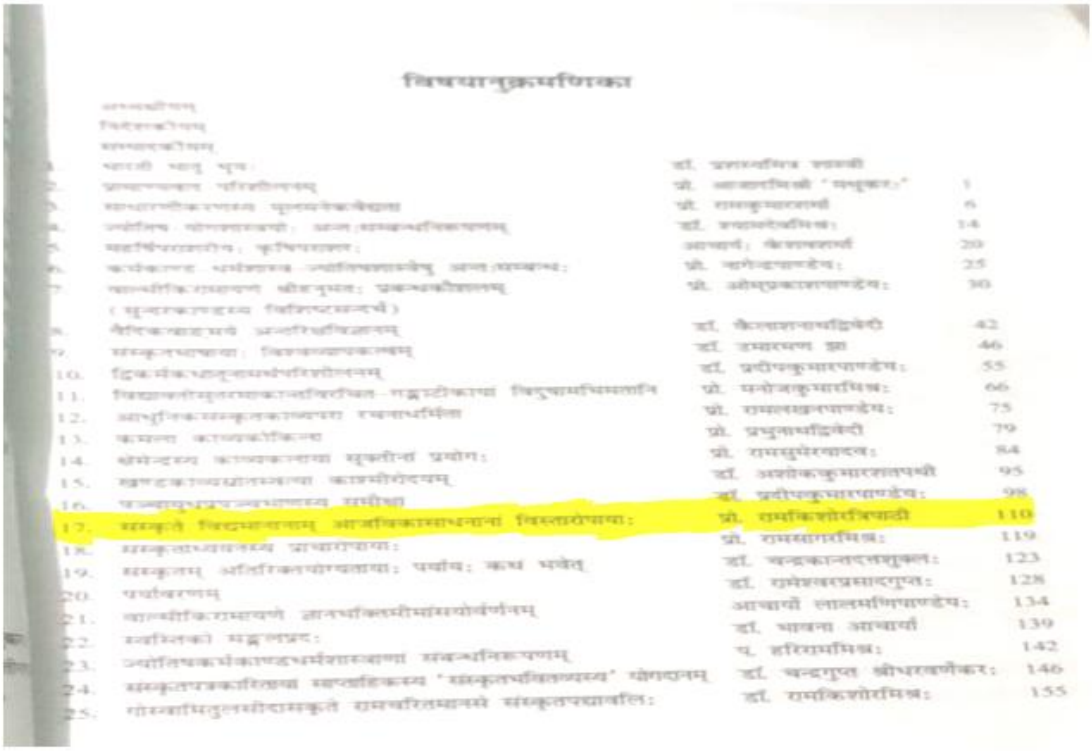

1.	[illegible]	डॉ. [illegible]	
2.	[illegible]	प्रो. आजादमिश्रो 'मधुकर:'	1
3.	[illegible]	प्रो. [illegible]	6
4.	[illegible]	डॉ. [illegible]	14
5.	[illegible]	आचार्य: [illegible]	20
6.	[illegible]	प्रो. [illegible]	25
7.	[illegible]	प्रो. [illegible]	30
8.	[illegible]	डॉ. [illegible]	42
9.	[illegible]	डॉ. [illegible]	46
10.	[illegible]	डॉ. प्रदीपकुमारपाण्डेय:	55
11.	[illegible]	प्रो. [illegible]	66
12.	[illegible]	प्रो. [illegible]	75
13.	[illegible]	प्रो. [illegible]	79
14.	[illegible]	प्रो. [illegible]	84
15.	[illegible]	डॉ. [illegible]	95
16.	[illegible]	डॉ. प्रदीपकुमारपाण्डेय:	98
17.	संस्कृते विद्यमानानाम् आजीविकासाधनानां विस्तारोपाया:	प्रो. रामकिशोरत्रिपाठी	110
18.	[illegible]	प्रो. [illegible]	119
19.	[illegible]	डॉ. [illegible]	123
20.	[illegible]	डॉ. [illegible]	128
21.	[illegible]	आचार्य [illegible]	134
22.	[illegible]	डॉ. भावना आचार्या	139
23.	[illegible]	प. [illegible]	142
24.	[illegible]	डॉ. [illegible]	146
25.	[illegible]	डॉ. रामकिशोरमिश्र:	155

प्रो. रामकिशोर त्रिपाठी, आचार्य, वेदान्त विभाग, संसं.वि.वि. द्वारा प्रकाशित शोधपत्र- 2018

ऊनचत्वारिंशम्

परिशीलनम्

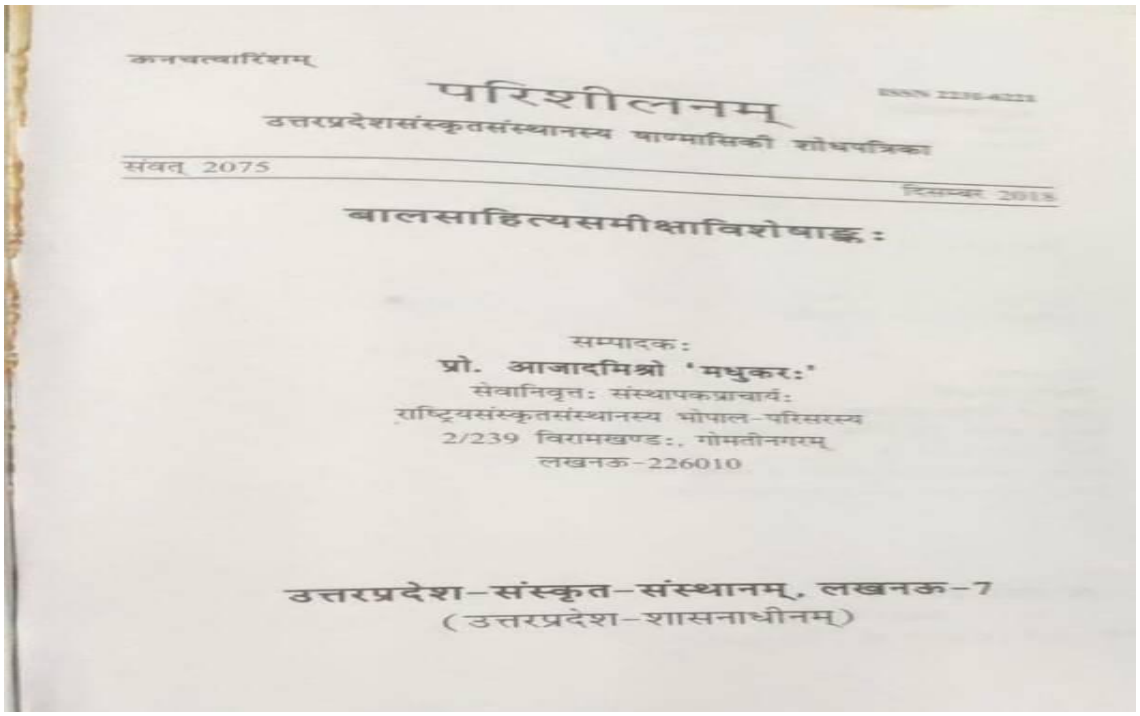

ISSN [illegible]

उत्तरप्रदेशसंस्कृतसंस्थानस्य षाण्मासिकी शोधपत्रिका

संवत् 2075

दिसम्बर 2018

बालसाहित्यसमीक्षाविशेषाङ्कः

सम्पादकः
प्रो. आजादमिश्रो 'मधुकरः'
सेवानिवृत्तः संस्थापकप्राचार्यः
राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानस्य भोपाल-परिसरस्य
2/239 विरामखण्डः, गोमतीनगरम्
लखनऊ-226010

उत्तरप्रदेश-संस्कृत-संस्थानम्, लखनऊ-7
(उत्तरप्रदेश-शासनाधीनम्)

विषयानुक्रमणिका

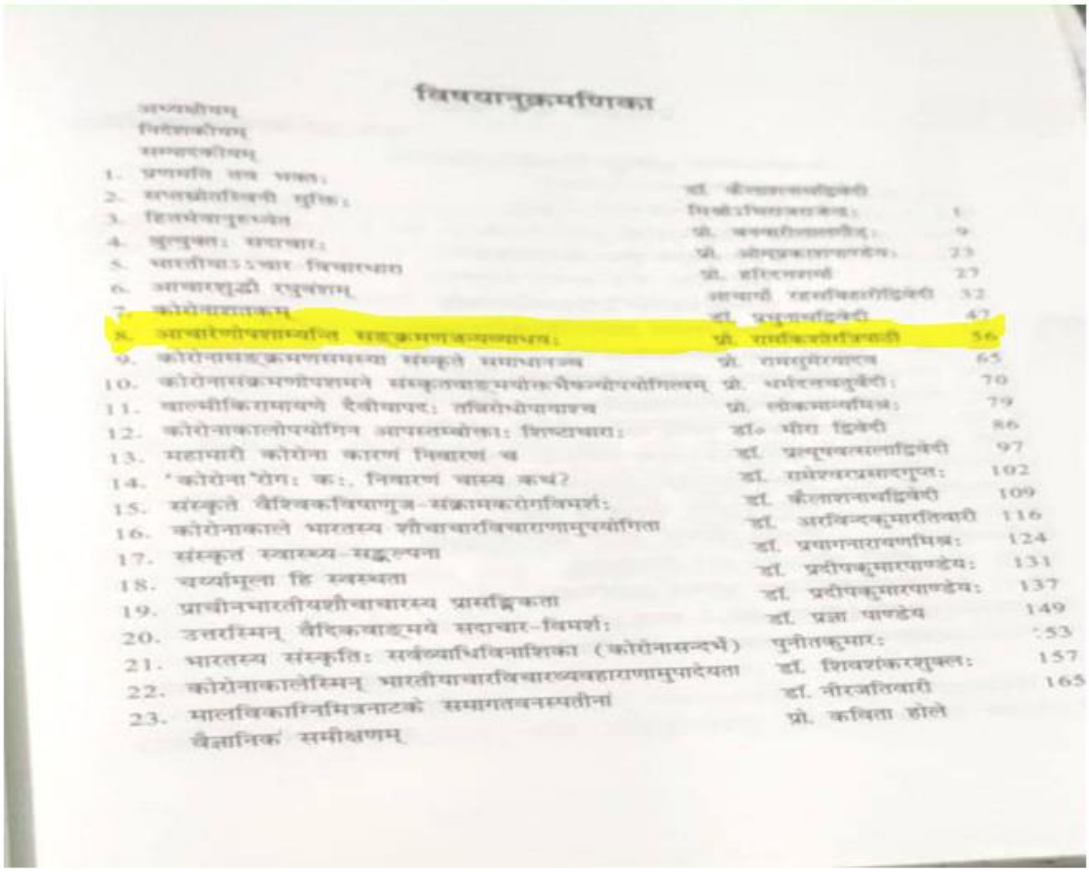

	[illegible]		
	[illegible]		
	सम्पादकीयम्		
1.	[illegible]	डॉ. [illegible]	
2.	[illegible]	[illegible]	1
3.	[illegible]	प्रो. [illegible]	9
4.	[illegible]	प्रो. [illegible]	23
5.	भारतीयाऽऽचार-विचारधारा	प्रो. [illegible]	27
6.	आचारशुद्धौ रघुवंशम्	आचार्य [illegible]	32
7.	कोरोनाशतकम्	डॉ. [illegible]	47
8.	[illegible]	प्रो. रामकिशोरत्रिपाठी	56
9.	कोरोनासङ्क्रमणसमस्या संस्कृते समाधानञ्च	प्रो. [illegible]	65
10.	कोरोनासंक्रमणोपशमने संस्कृतवाङ्मयोक्तनीतिवचनोपयोगित्वम्	प्रो. [illegible]	70
11.	वाल्मीकिरामायणे दैवीयापदः तन्निरोधोपायाश्च	प्रो. [illegible]	79
12.	कोरोनाकालोपयोगिनः आपस्तम्बोक्ताः शिष्टाचाराः	डॉ० मीरा द्विवेदी	86
13.	महामारी कोरोना कारणं निवारणं च	डॉ. [illegible]	97
14.	'कोरोना'रोगः कः, निवारणं चास्य कथं?	डॉ. [illegible]	102
15.	संस्कृते वैश्विकविषाणुज-संक्रामकरोगविमर्शः	डॉ. कैलाशनाथद्विवेदी	109
16.	कोरोनाकाले भारतस्य शौचाचारविचाराणामुपयोगिता	डॉ. अरविन्दकुमारतिवारी	116
17.	संस्कृत स्वास्थ्य-सङ्कल्पना	डॉ. प्रयागनारायणमिश्रः	124
18.	चर्य्यामूला हि स्वस्थता	डॉ. प्रदीपकुमारपाण्डेयः	131
19.	प्राचीनभारतीयशौचाचारस्य प्रासङ्गिकता	डॉ. प्रदीपकुमारपाण्डेयः	137
20.	उत्तरस्मिन् वैदिकवाङ्मये सदाचार-विमर्शः	डॉ. प्रज्ञा पाण्डेय	149
21.	भारतस्य संस्कृतिः सर्वव्याधिविनाशिका (कोरोनासन्दर्भे)	पुनीतकुमारः	153
22.	कोरोनाकालेऽस्मिन् भारतीयाचारविचारव्यवहाराणामुपादेयता	डॉ. शिवशंकरशुक्लः	157
23.	मालविकाग्निमित्रनाटके समागतवनस्पतीनां वैज्ञानिकं समीक्षणम्	डॉ. नीरजतिवारी	165
		प्रो. कविता होले	

प्रो. दिनेश कुमार गर्ग जी द्वारा पत्रिका में प्रकाशित शोधपत्र-2019

जयराम संदेश
Jairam Sandesh
धर्म-दर्शन-अध्यात्म एवं सांस्कृतिक संदर्भ पर आधृत

जुलाई–दिसम्बर
2019 ई.
विक्रम सम्वत् 2076

वर्ष : 07 अंक : 02

संरक्षक :
प. पू. ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी
परमाध्यक्ष : जयराम संस्थाएँ

परामर्शदातृ मण्डल
प्रो० वशिष्ठ त्रिपाठी (वाराणसी)
डॉ० रामभद्रदास श्रीवैष्णव (प्रयाग)
प्रो० रमेश कुमार पाण्डेय (दिल्ली)
प्रो० देवी प्रसाद त्रिपाठी (हरिद्वार)
डॉ० वाचस्पति मिश्र (लखनऊ)
प्रो० हरेराम त्रिपाठी (दिल्ली)
प्रो० रमाकान्त पाण्डेय (जयपुर)

सम्पादक
डॉ. शिवशङ्कर मिश्र
मोबाइल नं. 9456328499
ई-मेल : shivshankarmishra74@gmail.com

शोधपत्र परीक्षक मण्डल
प्रो० जे.के. गोदियाल (पौड़ी)
डॉ० रामनारायण द्विवेदी (दिल्ली)
डॉ० दिनेश कुमार गर्ग (वाराणसी)
डॉ० रामविनय सिंह (देहरादून)
डॉ० रामरतन खण्डेलवाल (हरिद्वार)

प्रूफ संशोधक
मनमुदित नारायण शुक्ल

प्रकाशक :
श्री जयराम आश्रम
भीमगोड़ा, हरिद्वार – 249401 (उत्तराखण्ड)
फोन नं.: 01334-260251
ई-मेल : jairamsandesh@gmail.com

अनुक्रम

आशीर्वचन
सम्पादकीय
परमपवित्र उद्धवचरित्र .... ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी 1
नन्दनन्दन कृष्ण के नित्यसहचर–उद्धव .... प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र 3
प्रभु श्रीकृष्ण के प्रिय सखा ज्ञान निपुण उद्धव जी .... जगद्गुरु स्वामी विदेह जी महाराज 7
भगवान् के अर्चाविग्रह उद्धव .... प्रो० रामसलाही द्विवेदी 9
ज्ञान, भक्ति रसावतार श्रीउद्धवजी का चरित्र .... डॉ० बैकुण्ठ नाथ शुक्ल 12
उद्धव शरणागति मीमांसा .... डॉ० अनिलानन्द 16
भगवदुद्धव संवाद में वेदार्थोपबृंहण .... डॉ० गोपाल प्रसाद शर्मा 19
परम भागवत श्री उद्धव जी .... प्रो० रामराज उपाध्याय 22
उद्धवगीता–भगवद्गीता में भगवत्स्वरूप .... डॉ० देवानन्द शुक्ल/डॉ० प्रीति शुक्ला 24
परम भागवत उद्धव .... वैद्य तनसुखराम शर्मा 27
श्रीमद्भागवत में उद्धवचरित्र .... प्रो० मिनति रथ 31
श्रीकृष्ण सुहृदुद्धव .... डॉ० दिनेश कुमार गर्ग 35
महात्मा सूरदास की काव्यचेतना में "उद्धव" .... प्रो० शिवशङ्कर मिश्र 38
उद्धव चरित्र–एक सामान्य अध्ययन .... डॉ० लज्जा पन्त (भट्ट) 41
श्रीकृष्ण के उद्धव .... डॉ० सुनीता कुमारी 43
श्रीकृष्ण के सखा उद्धव .... डॉ० बद्रीप्रसाद पंचोली 46
उद्धव की ब्रजयात्रा .... डॉ० विजय कुमार पाण्डेय 48
श्री उद्धवजी गोपांगनाओं के हितैषी .... डॉ० रामकिशोर मिश्र 50
भक्तशिरोमणि उद्धव .... डॉ० आशुतोष गुप्त 51
श्रीमद्भागवतोक्त उद्धवचरित्र .... डॉ० अरुणिमा 56
उद्धव की दृष्टि में मैया यशोदा, गोपियाँ .... डॉ० रीतेश कुमार पाण्डेय 60
ज्ञानी उद्धव और गोपियाँ .... श्वेता 63
पौराणिक साहित्य में उद्धव .... डॉ० द्वारिका प्रसाद नौटियाल 66
श्रीमद्भागवत में उद्धव–गोपी संवाद .... योगेश कुमार मिश्र 68
योगीश्वर श्रीकृष्ण के परममित्र उद्धव .... विजय गुप्ता 70
उद्धव जी का विभिन्न दृष्टियों से मूल्यांकन .... डॉ० संजीव प्रसाद भट्ट 73
उद्धव शतक : एक अध्ययन .... डॉ० धनंजय शर्मा 76
उद्धव एक महान साधक .... डॉ० कृपाशंकर मिश्र/मुदित पाण्डेय 81
श्रीमद्भागवत पुराण में उद्धव जी .... निवली 83
उद्धव .... वन्दना तिवारी 86
जयराम आश्रम द्वारा संचालित विविध सेवाप्रकल्प

पत्रिका ऑनलाईन उपलब्ध - jairamashram.org/publication jairamsandeshpatrika

- पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त चिन्तन से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं।
- पत्रिका के सम्बन्ध में किसी भी विवाद के निस्तारण का न्याय क्षेत्र केवल हरिद्वार होगा।
- पत्रिका के सम्पादक एवं परामर्श-परीक्षक मण्डल के समस्त सदस्य पूर्णतया अवैतनिक हैं।

प्रो. रामकिशोर त्रिपाठी, आचार्य, वेदान्त विभाग, संसं.वि.वि. द्वारा प्रकाशित शोधपत्र- 2020

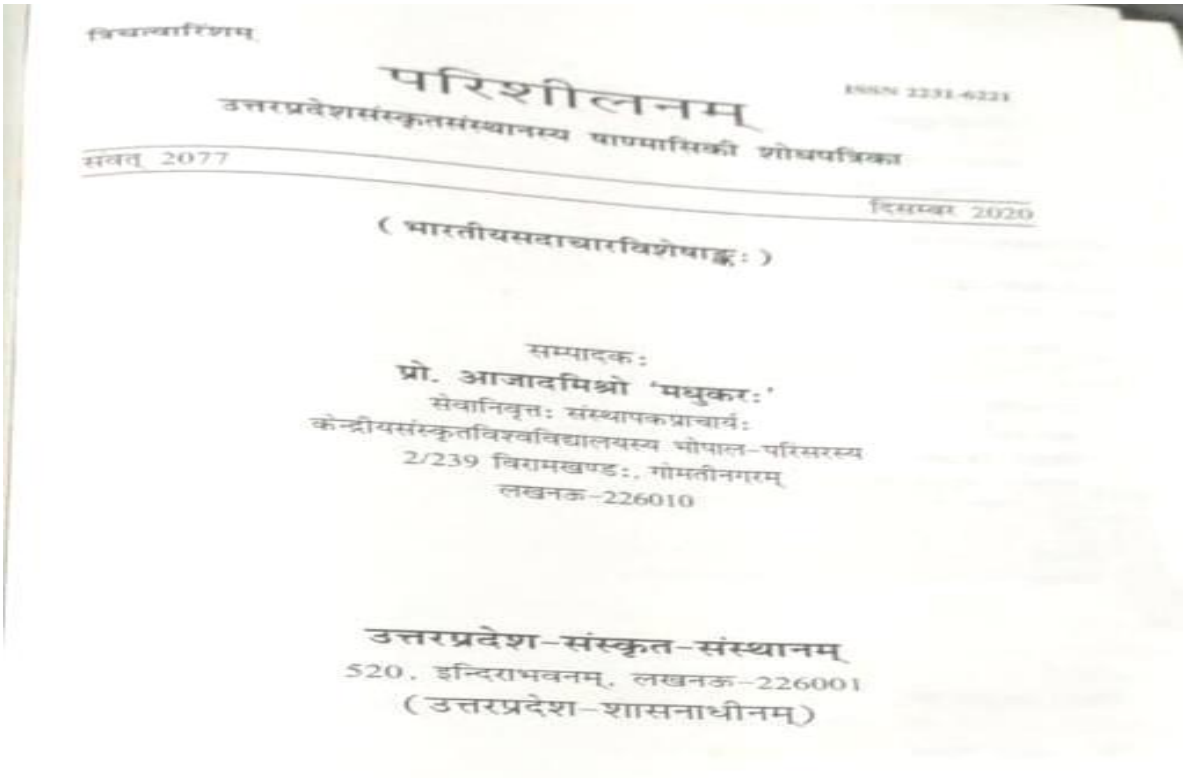

त्रिचत्वारिंशम्

परिशीलनम्

ISSN 2231-6221

उत्तरप्रदेशसंस्कृतसंस्थानस्य षाण्मासिकी शोधपत्रिका

संवत् 2077

दिसम्बर 2020

(भारतीयसदाचारविशेषाङ्कः)

सम्पादकः

प्रो. आजादमिश्रो 'मधुकरः'

सेवानिवृत्तः संस्थापकप्राचार्यः

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य भोपाल-परिसरस्य

2/239 विरामखण्डः, गोमतीनगरम्

लखनऊ-226010

उत्तरप्रदेश-संस्कृत-संस्थानम्

520, इन्दिराभवनम्, लखनऊ-226001

(उत्तरप्रदेश-शासनाधीनम्)

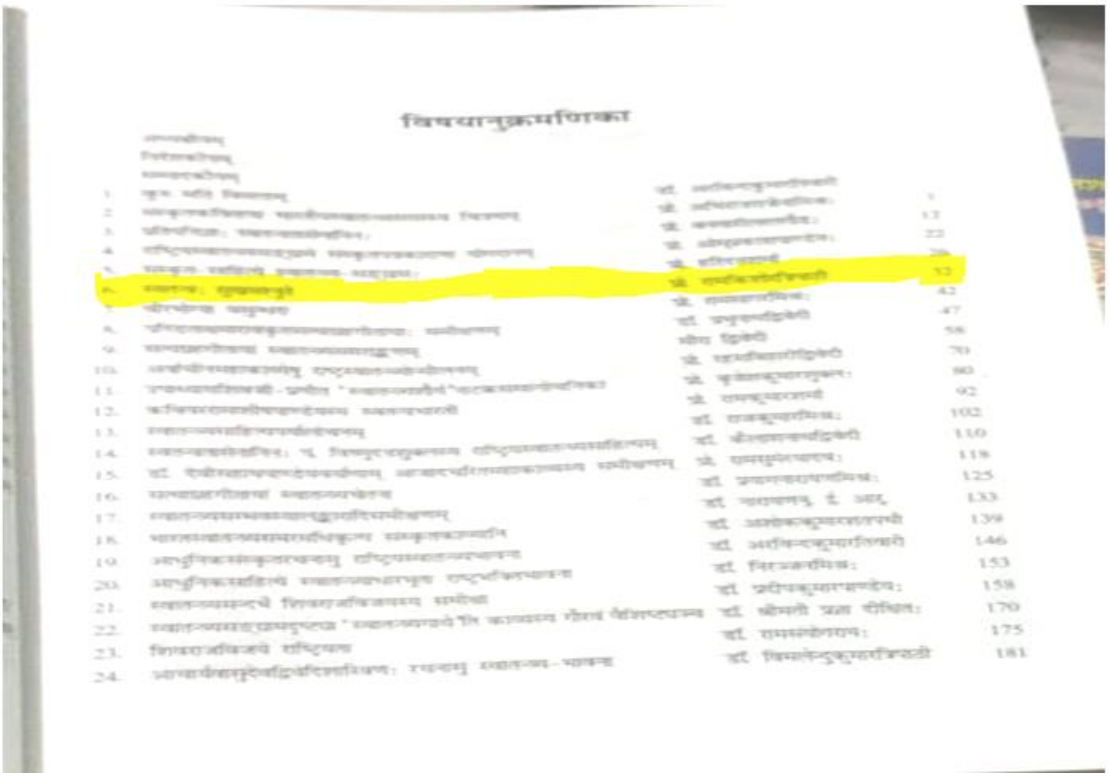

विषयानुक्रमणिका

डॉ0 विजय कुमार शर्मा द्वारा Peer Reviewed Refereed Journal पत्रिका में प्रकाशित शोधपत्र-2021

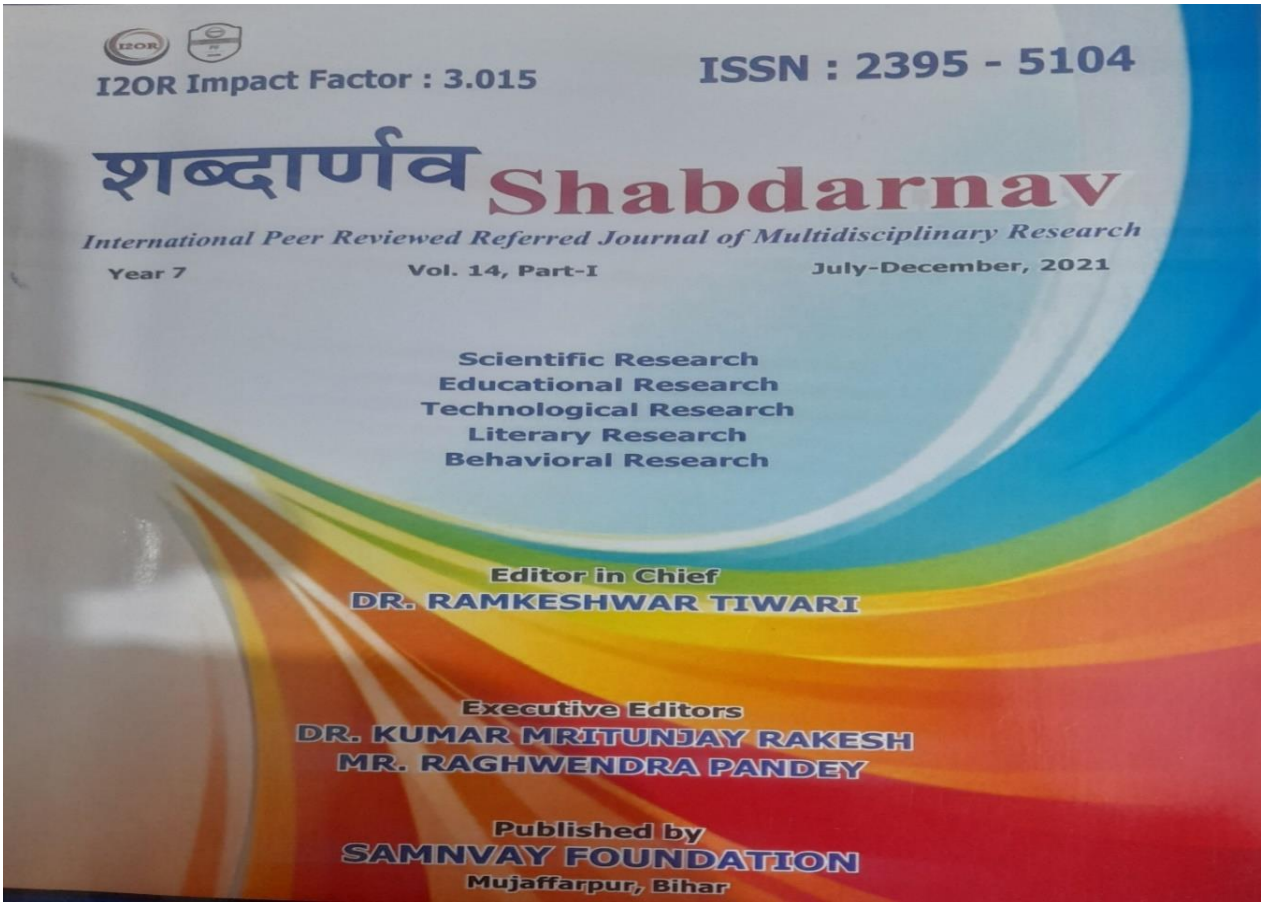

अनुक्रमणिका

- वेदोक्त वनस्पति एवं औषधि विज्ञान — 1—7
  डॉ० विजय कुमार शर्मा
- पराशर स्मृति व व्यास स्मृति में विहित वर्ण व्यवस्था — 8—11
  आजादी कुमारी
- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में पण्डित दशरथ प्रसाद द्विवेदी के पत्र 'स्वदेश' का योगदान — 12—16
  अनिल कुमार त्रिपाठी
- जनता तथा शास्त्रीय संगीत — 17—18
  डॉ० जया शर्मा
- कालिदासीय सौन्दर्य बोध — 19—22
  डॉ० खालिद हसन अब्बासी
- लिंग एवं भौगोलिक क्षेत्र के सन्दर्भ में प्रसन्नता को प्रभावित करनेवाले कारकों का सांख्यिकी विश्लेषण — 23—27
  प्रो० सरोज गर्ग व डिम्पल कौर
- चन्द्रकान्ता की कहानियों में स्त्री विमर्श — 28—30
  डॉ० माधुरी यादव व शिप्रा सिंह
- मार्कण्डेय पुराण की विदुषी माता मदालसा का ज्ञानमय चरित्र — 31—33
  डॉ० राजेश कुमार जोशी
- हिन्दी उपन्यासों में बिम्बित नारी चेतना — 34—37
  डॉ० रीता सिंह
- राजयोग और वर्तमान सन्दर्भ में उसकी उपयोगिता — 38—39
  डॉ० वसुधा श्री व पूजा
- धूमकेतु ओ अनुरबान — 40—41
  साधना कुमारी
- भारतीय संस्कृति में योग, आसन और मानसिक स्वास्थ्य — 42—43
  सुबाष चन्द्र व डॉ० सरिता रानी
- जनवादी कवि: नागार्जुन — 44—46
  डॉ० सुधीर कुमार राय
- भीष्मचरितम् महाकाव्य में अलंकार प्रयोग — 47—51
  कृष्ण कुमार मिश्र
- प्रो० रेवाप्रसाद द्विवेदी रचित 'श्रीरेवाभद्रपीठम्' काव्य में नर्मदा नदी का वर्णन — 52—53
  मंजरी यादव
- आर्य समाज के प्रणेता स्वामी दयानंद सरस्वती — 54—58
  मंटू कुमार
- नागार्जुन की कविताओं में प्रकृति चित्रण — 59—61
  पिन्टू कुमार
- उपनिषद् वाङ्मय में योग की परम्परा — 62—65
  प्रवेश जाटव व प्रो० गणेश शंकर गिरि
- चार्वाक दर्शन का वैज्ञानिक दृष्टिकोण (ईश्वर, आत्मा तथा अनुमान की अस्वीकृति) — 66—69
  प्रीति माहेश्वरी

डॉ0 विजय कुमार शर्मा द्वारा Peer Reviewed Refereed Jourbal

पत्रिका में प्रकाशित शोधपत्र-2021

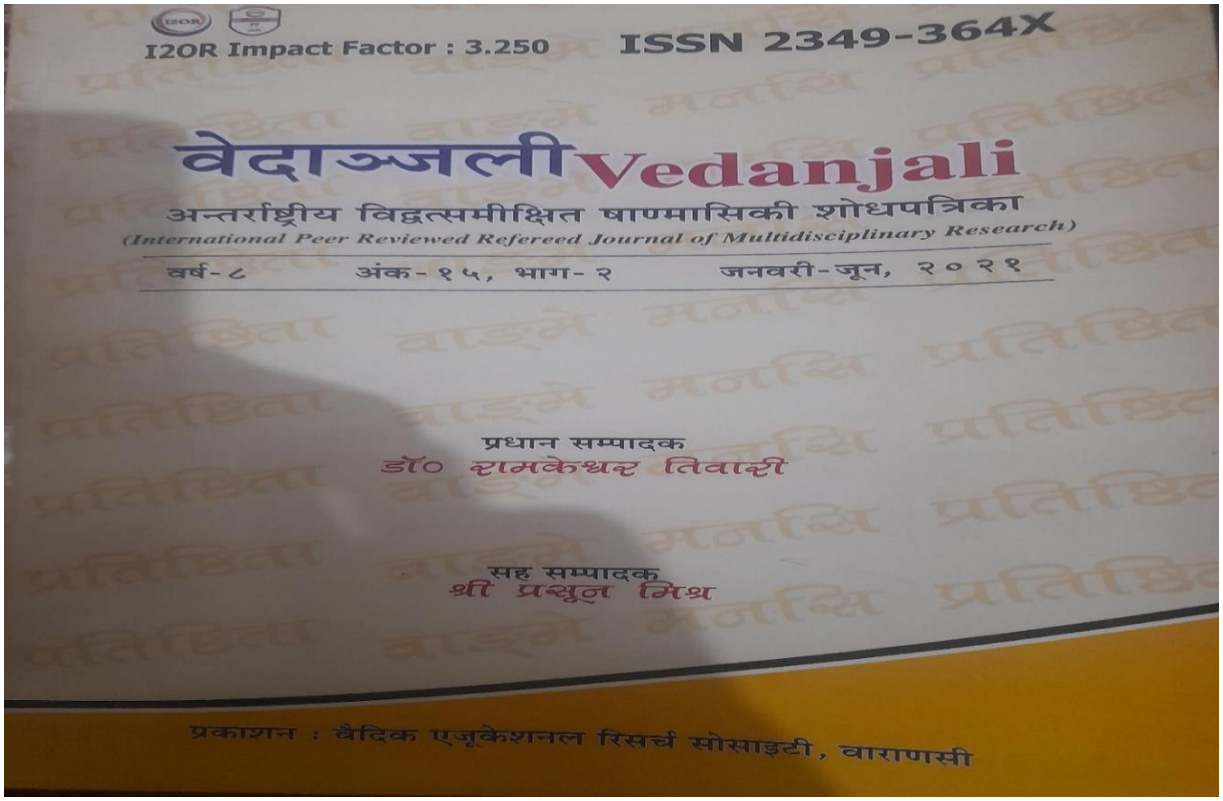

अनुक्रमणिका

- भारत–अमेरिका सम्बन्धों पर पाकिस्तान का प्रभाव : एक समीक्षा — 1—3
  अभय कुमार
- कबीर के विचार दर्शन — 4—6
  अभिमन्यु कुमार
- वर्तमान समय में योगशास्त्र की महत्ता — 7—11
  डॉ० दीप्ति वाजपेयी व अनामिका
- श्रीमद्भगवद्गीता में उपदिष्ट ज्ञान योग, कर्म योग तथा भक्ति योग का समन्वय — 12—14
  आरती शर्मा
- वेद से वेदान्त की ओर — 15—18
  चारु सिन्हा
- परवर्ती साहित्यकारों पर अमीर खुसरो का प्रभाव — 19—22
  डॉ० दीपिका आत्रेय
- हाड़ौती अंचल के मूर्तिशिल्प में शाक्त सम्प्रदाय का प्रभाव (700—1200 ईस्वी) — 23—25
  महेश कुमार दायमा
- राजेन्द्र चन्द्रोदय चम्पू काव्य में अलङ्कार सौन्दर्य — 26—30
  डॉ० मंजू सिंह
- महाकवि कालिदास रचित ग्रंथों में श्रृंगारिक चेतना — 31—34
  डॉ० ओमप्रकाश शास्त्री
- उदय प्रकाश की भाषिक संरचना — 35—39
  डॉ० प्रभा सिंह
- प्रतिरक्षा तंत्र पर यौगिक प्रभाव : एक अध्ययन — 40—44
  डॉ० सुरजीत घोषाल
- योग की विश्वशान्ति में भूमिका — 45—49
  डॉ० विजय कुमार शर्मा
- राधावल्लभीयसंस्कृतपद्यसाहित्ये प्राकृतिकपर्यावरणचेतना — 50—55
  डॉ० विजयकुमारशुक्ल:
- पर्यावरणस्य घटकम् — 56—58
  डॉ० शशांक शेखर डिमरी
- ऑल इण्डिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस 'एटक' एवं दलगत राजनीति में एटक का दलीय सम्बन्ध — 59—63
  डॉ० विनय प्रताप सिंह
- धर्मसंस्थापक श्रीकृष्ण एवं धर्म की वर्तमान में प्रासंगिकता — 64—65
  गरिमा यादव

डॉ0 विजय कुमार शर्मा द्वारा Peer Reviewed Refereed Jourbal पत्रिका में प्रकाशित शोधपत्र-2022

अङ्क - Vol. 29 (Year 8th) Nov 2022 to Jan 2023 Quartly ISSN 2454-681X

प्रज्ञा प्रबोधिनी

साहित्य एवं सामाजिक विज्ञान पर सन्दर्भित पुनर्मूल्यांकित राष्ट्रीय त्रैमासिक शोध पत्रिका

PRAGYA PRABODHINI

An Peer Reviewed National Quarterly Research Journal Refereed Literature & Social Science

प्रधान सम्पादक	Chief Editor
डॉ० श्यामलेश कुमार तिवारी	Dr. Shyamlesh Kumar Tiwari
सहायकाचार्य	Asst. Professor
प्राच्यसंस्कृत विभाग	Department of Oriental Studies in Sanskrit
लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ	University of Lucknow, Lucknow

वैदिक सेवा न्यास , लखनऊ (उ.प्र.)
Vaidik Sewa Nyas, Lucknow- (U.P.)

विषयानुक्रमणिका
(Context)

१.	प्राचीन भारत में गुजरात के मन्दिर डॉ. ज्योत्स्ना पाण्डेय	1-3
२.	टिकाऊ विकास में शिक्षा की भूमिका धर्मवीर	4-12
३.	राजनीति में गांधीजी के आदर्श गुलाब चन्द्र	13-19
४.	संस्कृत वाङ्मय में जल एवं तीर्थ डॉ. सुजेश कुमार सोनकर	20-28
५.	अष्टादश ऋषियों द्वारा प्रतिपादित पञ्चाङ्गपद्धति डॉ० श्यामलेश कुमार तिवारी	29-36
६.	अभिनवगुप्त सम्मत ध्वनि विषयक सिद्धान्त का अवलोकन डॉ. गौरव सिंह	37-40
७.	उपभोक्तावादी संस्कृति से बिगड़ता पर्यावरण का स्वास्थ्य डॉ.धनञ्जय सिंह	41-46
८.	यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध के कारण विश्वशान्ति पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव का अध्ययन डॉ. समरेन्द्र बहादुर शर्मा	47-51
९.	भारतीय संस्कृति के अभ्युदय में ऋषि-मुनियों का योगदान डॉ. विजय कुमार शर्मा	52-59
१०.	शोध उपाधि की चुनौतियां साहित्य के छात्रों के विशेष सन्दर्भ में डॉ. कुलदीपक शुक्ल	60-64
११.	भारत में अन्य कालगणना एवं इस्लामी कालगणना डॉ.फाजिल अहसन हाशमी	65-68
१२.	Religion in Contemporary Society: Meaning and Relevance Dr. Richa Pandey	69-72
१३.	सरमापणिसंवाद सूक्त की राष्ट्रपरक व्याख्या डॉ. सङ्गीता आर्या	73-79
१४.	काश्मीर शैवागम की आचार्यपरम्परा एवं पञ्चतत्त्वविज्ञान स्वाती	80-86

डॉ0 विजय कुमार शर्मा द्वारा Peer Reviewed Refereed Jourbal पत्रिका में प्रकाशित शोधपत्र- 2022

Reg. No. 694/2009-10 Impact Factor : 5.029 ISSN : 2250-1193

Anukriti

An International Peer Reviewed Refereed Research Journal

Vol. 12, No. 6 Year-12 June, 2022

PEER REVIEWED JOURNAL

Editor in Chief
Prof. Vijay Bahadur Singh
Head, Hindi Department
Dean, Faculty of Arts
Banaras Hindu University
Varanasi

Editor
Dr. Ramsudhar Singh
Ex Head, Department of Hindi
Udai Pratap Autonomous College
Varanasi

Published by
SRIJAN SAMITI PUBLICATION
VARANASI (U.P.), INDIA
Mob. 9415388337, E-mail : anukriti193@rediffmail.com, Website : anukritijournals.com

Reg. No. 694/2009-10
Anukriti (An International Peer Reviewed Refereed Research Journal), Vol. 12, No. 6, June 2022

Impact Factor : 5.029
ISSN : 2250-1193

	Parks and People: Livelihood Issues in National Parks Management in Assam **Gaurav Das & Dr. Chinmoy Kumar Roy**	173-176
	प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत ग्रामीण तथा शहरी युवक/युवतियों के सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार **डॉ० सुनीत कुमार सिंह**	177-179
	स्वातंत्र्यवाद और आभासवाद **डॉ० अम्बुज त्रिवेदी**	180-182
	नासिरा शर्मा की कहानियों में मुस्लिम स्त्रियों का सामाजिक परिदृश्य **दीप्ति एवं डॉ० इष्टदेव पाण्डेय**	183-186
	Flight of time **Prayaas Chaturvedi**	187-191
	नागवल्लरी और बावन नदियों का संगम : पीड़ित, शोषित और दलित वर्ग का राजनीतिक विवेचन **विकास गुप्ता एवं डॉ० दुष्यन्त कुमार त्रिपाठी**	192-196
	शब्दशास्त्रीयकतिपयसिद्धान्तविमर्शः **डॉ० रमाकान्तपाण्डेयः**	197-202
	Existential Prerequisites : Exploring Nuptial Connectivity in Cinematic Adaptation of *Godan* **Dr. Anuradha Deepak**	203-206
	प्रकृति का डिक्टेटर कवि **डॉ० दिनकर सिंह**	207-214
	भारत में दल–बदल की राजनीति **विभा त्रिगुणायत**	215-220
	कश्मीर राज्य का भौगोलिक एवं ऐतिहासिक परिचय **डॉ० विष्णु चन्द्र त्रिपाठी एवं सर्वेन्द्र कुमार यादव**	221-224
	भारतीय कृषि में सिंचाई का महत्व **डॉ० अंजु बाला खाखा**	225-226
	पञ्चविध सूत्र में वर्णित 'निधन' भक्ति (उच्च शिक्षा विभाग, उ.प्र. शासन द्वारा सञ्चालित रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट योजना के अन्तर्गत स्वीकृत परियोजना से सम्बद्ध) **डॉ० विजय कुमार शर्मा एवं डॉ० ज्ञानेन्द्र सापकोटा**	227-232

डॉ0 विजय कुमार शर्मा द्वारा Peer Reviewed Refereed Jourbal पत्रिका में प्रकाशित शोधपत्र 2022

विषयानुक्रमणिका
(Contents)

१. **खण्डकाव्यपरम्परां प्रति अनादिमिश्रस्यावदानम्** 1–5
डॉ. अशोककुमारतशतपथी

२. **राष्ट्रियशिक्षानीत्याम् (2020) भारतीयभाषानुरागः** 6–9
डॉ. राजूशर्म

३. **प्राचीन भारत में जल मार्ग तथा समुद्र व्यापार** 10–14
डॉ. ज्योत्सना पाण्डेय

४. **सिद्धार्थनगर जनपद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि** 15–18
डॉ. प्रेम प्रकाश मिश्र

५. **कुम्भ मेला: भारतीय संस्कृति का विशिष्ट पर्व** 19–37
डॉ. बृजेश कुमार सोनकर

६. **अखाड़े, सम्प्रदाय और साधु** 38–47
डॉ. गौरव सिंह

७. **प्रयागकुम्भ** 48–57
डॉ. देवेन्द्र कुमार उपाध्याय

८. **कुम्भ का माहात्म्य** 58–63
डॉ. विजय कुमार शर्मा

९. **कुम्भ एवं कुण्डलिनी योग** 64–69
डॉ. कुलदीपक शुक्ल

१०. **वर्तमान भारतीय परिदृश्य में राष्ट्रीय एकता में शिक्षा की भूमिका** 70–76
डॉ. अक्षय कुमार एवं श्री धर्मवीर

११. **भारत में स्त्री शिक्षा का विकास एवं वर्तमान स्थिति** 77–88
अशोक कुमार

१२. **लघुत्रयी में कविसमय विवेचन** 89–97
Sonali Bajpai

१३. **वैष्णवसम्प्रदाय में आचार्य श्रीमधुसूदन सरस्वती का अवदान** 98–103
Ajay Singh

१४. **स्मृतियों मे वर्णित सामाजिक जीवन** 104–114
विनय कुमार पटेल एवं डॉ० प्रताप विजय कुमार

डॉ0 दुर्गेश पाठक, सहायक आचार्य, न्यायविभाग, संसं.वि.वि. द्वारा प्रकाशित शोधपत्र-2022

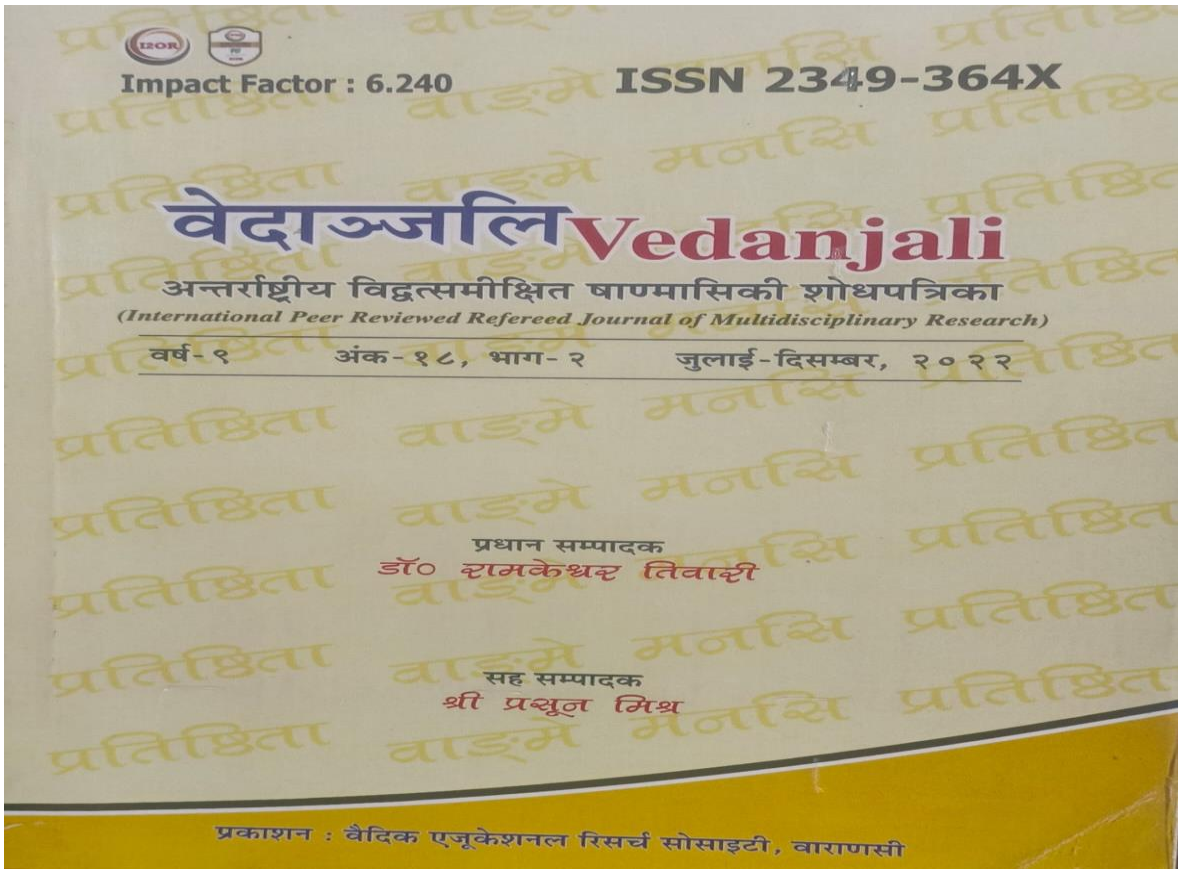

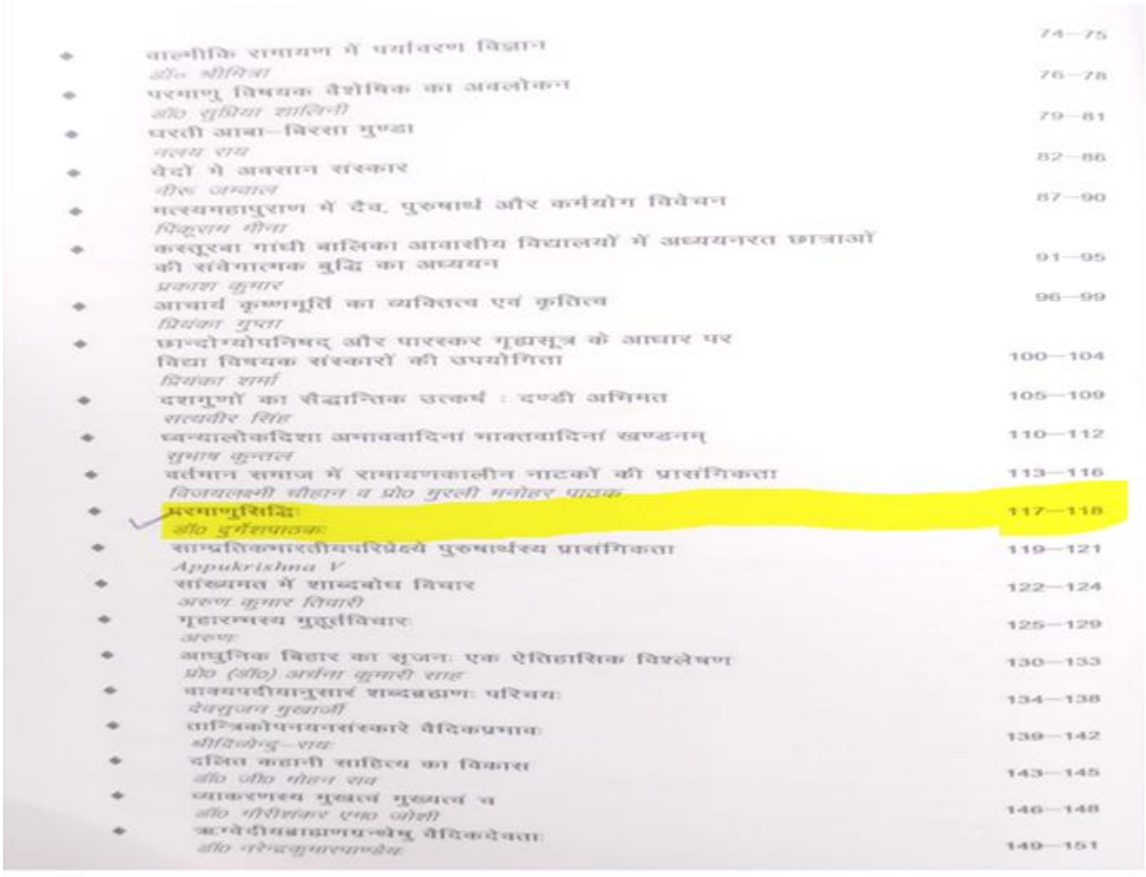

- वाल्मीकि रामायण में पर्यावरण विज्ञान 74—75
  डॉ० श्रीमित्रा
- परमाणु विषयक वैशेषिक का अवलोकन 76—78
  डॉ० सुप्रिया शालिनी
- धरती आबा—बिरसा मुण्डा 79—81
  नलय राय
- वेदों में अवसान संस्कार 82—86
  नीरू अग्रवाल
- मत्स्यमहापुराण में दैव, पुरुषार्थ और कर्मयोग विवेचन 87—90
  पिंकूराम मीना
- कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन 91—95
  प्रकाश कुमार
- आचार्य कृष्णमूर्ति का व्यक्तित्व एवं कृतित्व 96—99
  प्रियंका गुप्ता
- छान्दोग्योपनिषद् और पारस्कर गृह्यसूत्र के आधार पर विद्या विषयक संस्कारों की उपयोगिता 100—104
  प्रियंका शर्मा
- दशगुणों का सैद्धान्तिक उत्कर्ष : दण्डी अभिमत 105—109
  सत्यवीर सिंह
- ध्वन्यालोकदिशा अभाववादिनां भाक्तवादिनां खण्डनम् 110—112
  सुभाष कुन्तल
- वर्तमान समाज में रामायणकालीन नाटकों की प्रासंगिकता 113—116
  विजयलक्ष्मी चौहान व प्रो० मुरली मनोहर पाठक
- परमाणुसिद्धिः 117—118
  डॉ० दुर्गेशपाठकः
- साम्प्रतिकभारतीयपरिप्रेक्ष्ये पुरुषार्थस्य प्रासंगिकता 119—121
  Appukrishna V
- सांख्यमत में शाब्दबोध विचार 122—124
  अरुण कुमार तिवारी
- गृहारम्भस्य मुहूर्तविचारः 125—129
  अरुणः
- आधुनिक बिहार का सृजन: एक ऐतिहासिक विश्लेषण 130—133
  प्रो० (डॉ०) अर्चना कुमारी साह
- वाक्यपदीयानुसारं शब्दब्रह्मणः परिचयः 134—138
  देवसुजन मुखर्जी
- तान्त्रिकोपनयनसंस्कारे वैदिकप्रभावः 139—142
  श्रीदिव्येन्दु—रायः
- दलित कहानी साहित्य का विकास 143—145
  डॉ० जी० मोहन राव
- व्याकरणस्य मुखत्वं मुख्यत्वं च 146—148
  डॉ० गौरीशंकर एम० जोशी
- ऋग्वेदीयब्राह्मणग्रन्थेषु वैदिकदेवताः 149—151
  डॉ० नरेन्द्रकुमारपाण्डेयः

डॉ0 विजय कुमार शर्मा द्वारा Peer Reviewed Refereed Journal पत्रिका में प्रकाशित शोधपत्र-2023

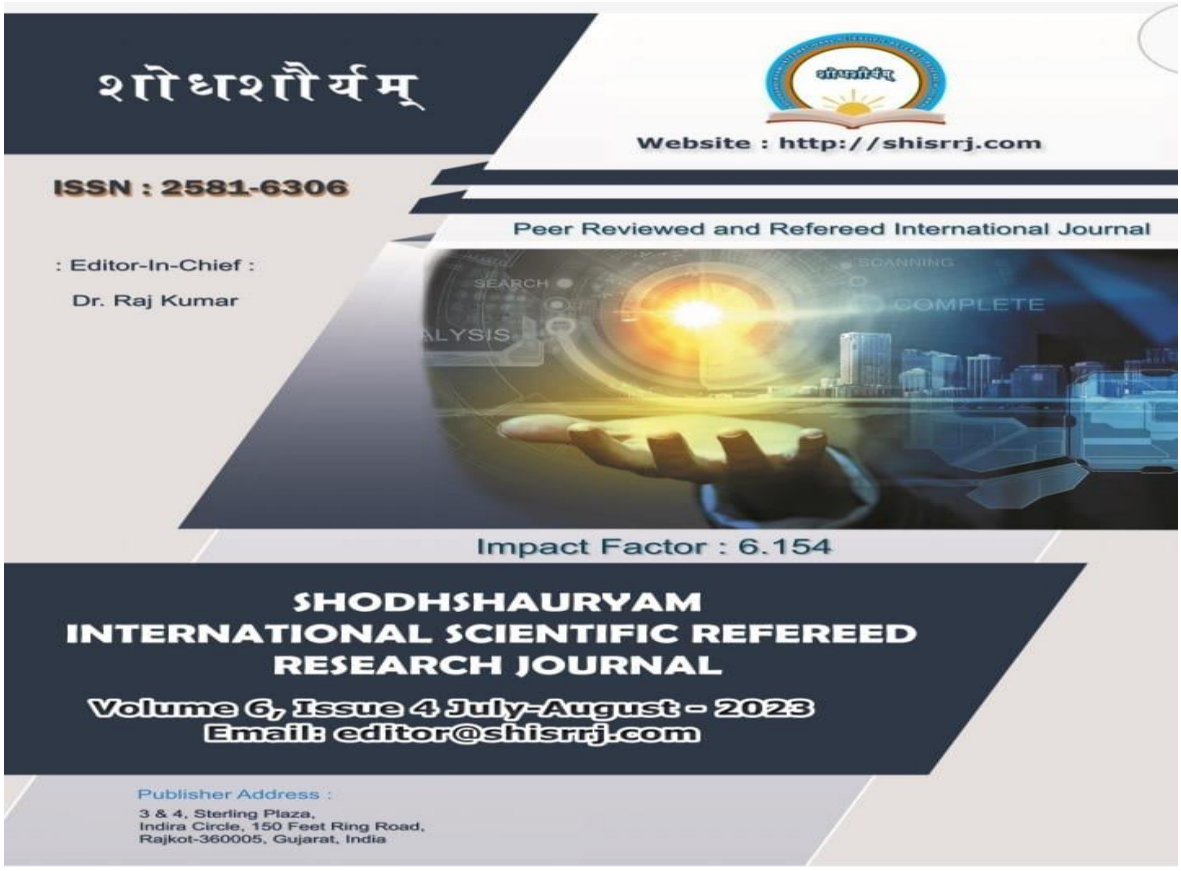

Shodhshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
Available online at : www.shisrrj.com
© 2023 SHISRRJ | Volume 6 | Issue 4
ISSN : 2581-6306
doi : https://doi.org/10.32628/SHISRRJ

वैदिक साहित्य में पर्यावरण चेतना

डॉ. विजय कुमार शर्मा
असिस्टेण्ट प्रोफेसर वेद, वेद विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।

Article Info
Publication Issue :
July-August-2023
Volume 6, Issue 4
Page Number : 10-15
Article History
Received : 01 July 2023
Published : 13 July 2023

शोधसारांश
वैदिक काल में जिस प्रकार से मानव प्राकृतिक वातावरण को बिना क्षति पहुँचाए उसके साथ आनन्दमयी जीवन व्यतीत करता था। लेकिन आधुनिक युग में मनुष्य प्रकृति के तत्वों को नुकसान पहुँचाकर वातावरण को प्रदूषित कर रहा है, आने वाले समय में यह वातावरण मनुष्य के रहने के अनुकूल नहीं रह जाएगा। इसलिए हमें अभी से सजग होकर पर्यावरण के प्रति चेतना जागृत करना चाहिए।

मुख्यशब्द—वैदिक, साहित्य, पर्यावरण, मनुष्य,विज्ञान, संस्कृत, वेद।

आज के विज्ञान युग में मानव अपने क्षणिक भौतिक सुखों की प्राप्ति हेतु प्रकृति द्वारा प्रदत्त नैसर्गिक वातावरण को दूषित करता जा रहा है। वह विभिन्न कारखानों की स्थापना करता जा रहा है। उन कारखानों से निकलने वाला औद्योगिक कचरा हमारी प्राणदायिनी नदियों के जल को एवं आस–पास के वातावरण को सतत प्रदुषित करता रहता है। इन कारखानों एवं विभिन्न प्रकार की मोटर, गाडियों तथा विमानों आदि से निकलने वाली तीव्र कर्णभेदी आवाज ध्वनि–प्रदूषण में वृद्धि करती रहती है। अधिक उपज की चाह में रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग के द्वारा लोग पृथ्वी को भी वंध्या करते जा रहे है। आधुनिक वैज्ञानिकों द्वारा निर्मित भौतिक सुख के एक साधन रेफ्रिजरेटर से निकलने वाली गैस से ओजोन परत की क्षय का खतरा उत्पन्न कर दिया है, यह खतरा दिन प्रतिदिन बढता ही जा रहा है। वैज्ञानिकों द्वारा निर्मित आणविक बम ने सृष्टि के विनाश का खतरा पैदा कर दिया है। वस्तुतः आधुनिक वैज्ञानिकों ने हमें इस समय बारूद के ढेर पर बैठा दिया है, यदि इसमें जरा सी भी चिंगारी लग जाये तो सारी दुनिया क्षण मात्र में नष्ट हो जायेगी। इस आधुनिक विद्या को यदि हम पैशाचिक विद्या की संज्ञा दे तो इसमें कोई अत्युक्ति न होगी। इतना ही नहीं आज के जैव वैज्ञानिक जो प्राकृतिक नियमों के विरुद्ध कृत्रिम रूप से क्लोन आदि विधियों के द्वारा प्रतिरूपों की रचना कर रहें हैं, वह मानव की पैशाचिक प्रवृत्ति का ही उदाहरण है। यही कार्य रक्तबीज आदि राक्षस भी अपनी पैशाचिक (मायावी) विद्या द्वारा स्वयं के अनेक प्रतिरूप तैयार कर लिया करते थे। पूरा भारतीय मंत्रद्रष्टा ऋषियों ने आज से हजारों वर्ष पूर्व सृष्टि के समस्त प्राणियों के कल्याणार्थ पर्यावरण की महत्ता एवं उसको दूषित होने से बचाने, प्रकृति के प्रति संवेदनशील एवं उसके संरक्षण तथा मानव–जीवन में होने वाली व्याधियों तथा उसके स्वास्थ्य के संवर्द्धन के सम्बन्ध में अनेक तत्वों का अन्वेषण किया था। पर्यावरण के सभी बिन्दुओं पर उनकी सजग दृष्टि थी। इन मनीषियों ने समाज में रहने वाले व्यक्तियों का ध्यान पर्यावरण सुरक्षा की तरफ आकृष्ट किया। वैदिक कालीन जन पृथ्वी अर्थात् भूमि के प्रति अत्यन्त श्रद्धा रखते थे। पर्यावरण का संरक्षण उपासना का एक अविभाज्य अंग था। अथर्ववेद के एक मंत्र में वैदिक ऋषि

Copyright © 2023 The Author(s): This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution **4.0 International License (CC BY-NC 4.0)** which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium for non-commercial use provided the original author and source are credited.

डॉ0 दुर्गेश पाठक, सहायक आचार्य, न्यायविभाग, संसं.वि.वि. द्वारा प्रकाशित शोधपत्र- 2023

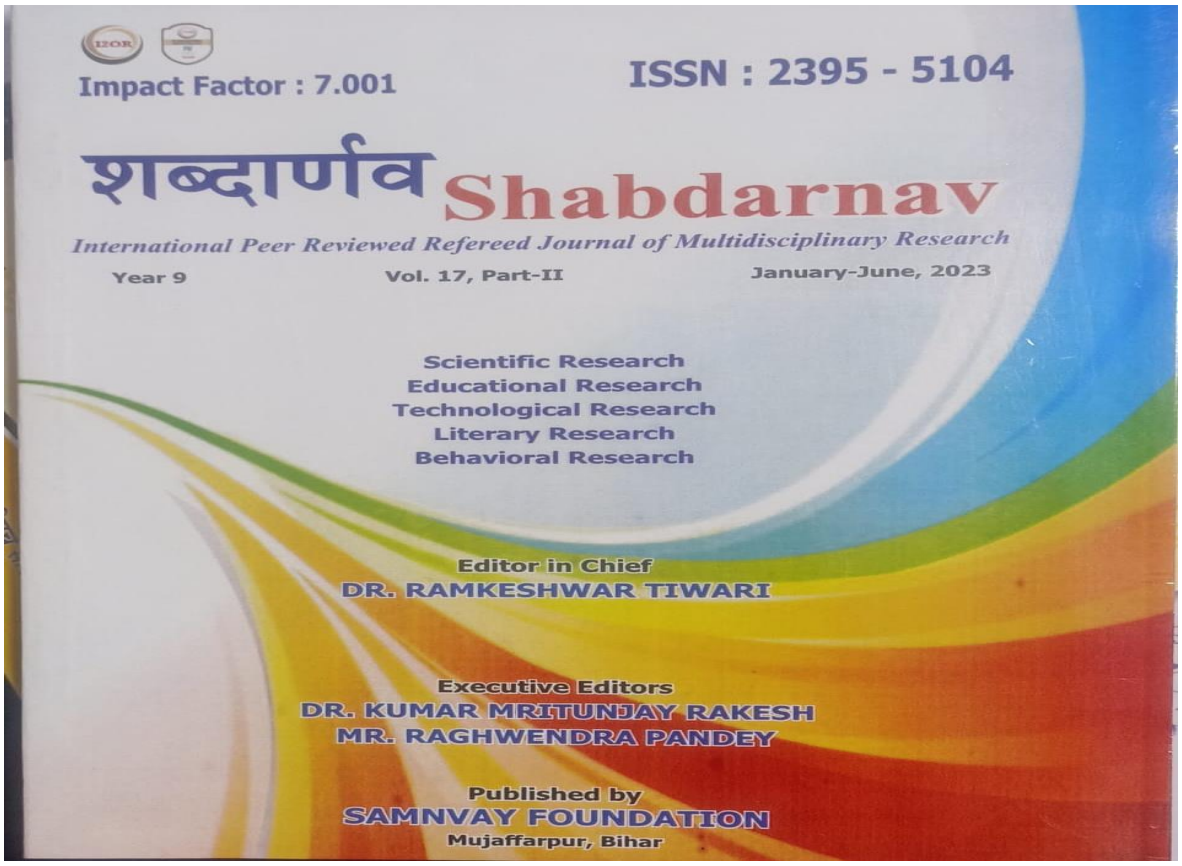

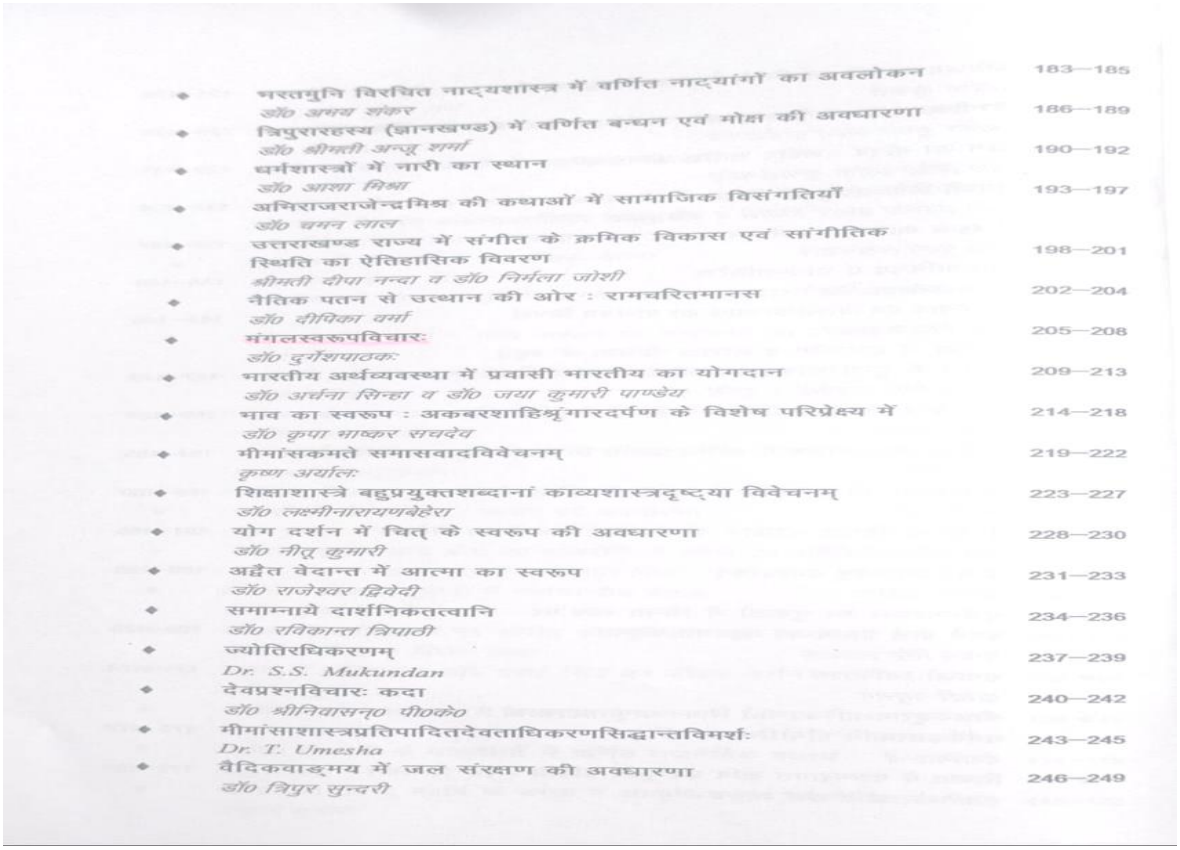

- भरतमुनि विरचित नाट्यशास्त्र में वर्णित नाट्यांगों का अवलोकन — 183—185
  डॉ0 अभय शंकर
- त्रिपुरारहस्य (ज्ञानखण्ड) में वर्णित बन्धन एवं मोक्ष की अवधारणा — 186—189
  डॉ0 श्रीमती अन्जू शर्मा
- धर्मशास्त्रों में नारी का स्थान — 190—192
  डॉ0 आशा मिश्रा
- अभिराजराजेन्द्रमिश्र की कथाओं में सामाजिक विसंगतियाँ — 193—197
  डॉ0 चमन लाल
- उत्तराखण्ड राज्य में संगीत के क्रमिक विकास एवं सांगीतिक स्थिति का ऐतिहासिक विवरण — 198—201
  श्रीमती दीपा नन्दा व डॉ0 निर्मला जोशी
- नैतिक पतन से उत्थान की ओर : रामचरितमानस — 202—204
  डॉ0 दीपिका वर्मा
- मंगलस्वरूपविचारः — 205—208
  डॉ0 दुर्गेशपाठकः
- भारतीय अर्थव्यवस्था में प्रवासी भारतीय का योगदान — 209—213
  डॉ0 अर्चना सिन्हा व डॉ0 जया कुमारी पाण्डेय
- भाव का स्वरूप : अकबरशाहिश्रृंगारदर्पण के विशेष परिप्रेक्ष्य में — 214—218
  डॉ0 कृपा भाष्कर सचदेव
- मीमांसकमते समासवादविवेचनम् — 219—222
  कृष्ण अर्यालः
- शिक्षाशास्त्रे बहुप्रयुक्तशब्दानां काव्यशास्त्रदृष्ट्या विवेचनम् — 223—227
  डॉ0 लक्ष्मीनारायणबेहेरा
- योग दर्शन में चित् के स्वरूप की अवधारणा — 228—230
  डॉ0 नीतू कुमारी
- अद्वैत वेदान्त में आत्मा का स्वरूप — 231—233
  डॉ0 राजेश्वर द्विवेदी
- समाम्नाये दार्शनिकतत्वानि — 234—236
  डॉ0 रविकान्त त्रिपाठी
- ज्योतिरधिकरणम् — 237—239
  Dr. S.S. Mukundan
- देवप्रश्नविचारः कदा — 240—242
  डॉ0 श्रीनिवासन्0 पी0के0
- मीमांसाशास्त्रप्रतिपादितदेवताधिकरणसिद्धान्तविमर्शः — 243—245
  Dr. T. Umesha
- वैदिकवाङ्मय में जल संरक्षण की अवधारणा — 246—249
  डॉ0 त्रिपुर सुन्दरी

प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी, आचार्य, तुलनात्मक धर्मदर्शन विभाग, संसं.वि.वि. द्वारा प्रकाशित 21 शोधपत्र -2018-2024

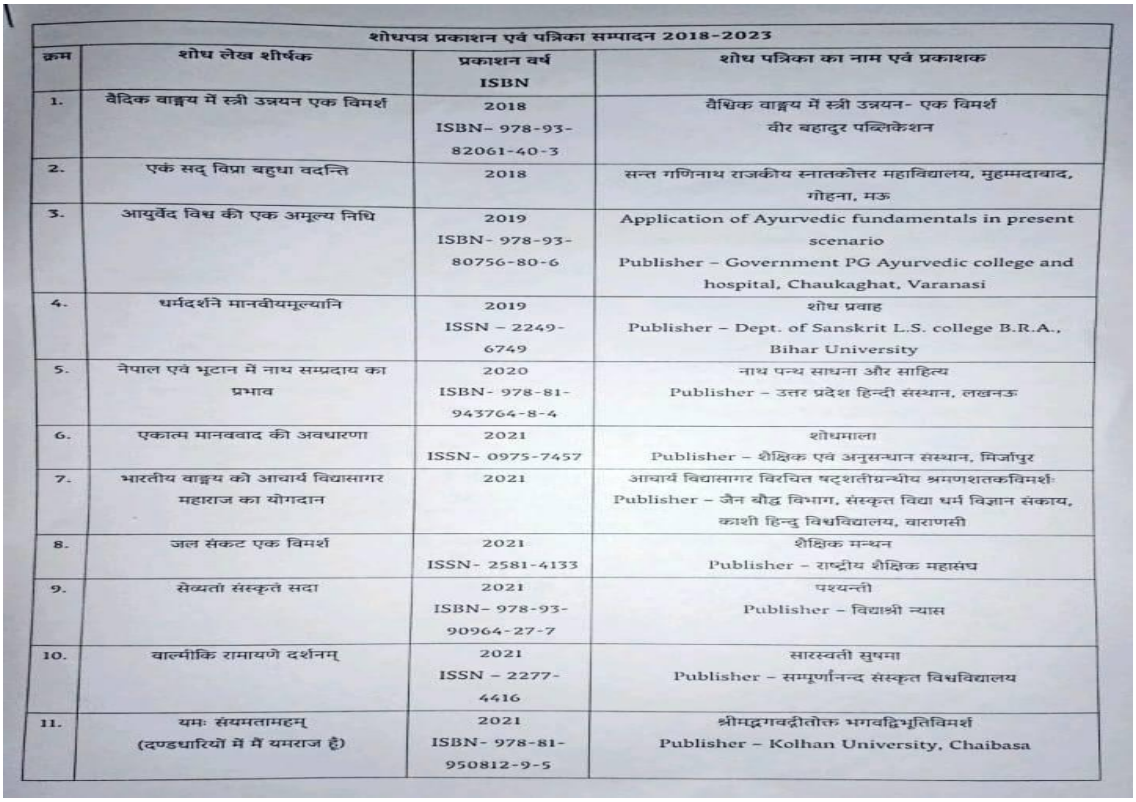

शोधपत्र प्रकाशन एवं पत्रिका सम्पादन 2018-2023			
क्रम	शोध लेख शीर्षक	प्रकाशन वर्ष ISBN	शोध पत्रिका का नाम एवं प्रकाशक
1.	वैदिक वाङ्मय में स्त्री उन्नयन एक विमर्श	2018 ISBN- 978-93-82061-40-3	वैश्विक वाङ्मय में स्त्री उन्नयन- एक विमर्श वीर बहादुर पब्लिकेशन
2.	एकं सद् विप्रा बहुधा वदन्ति	2018	सन्त गणिनाथ राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुहम्मदाबाद, गोहना, मऊ
3.	आयुर्वेद विश्व की एक अमूल्य निधि	2019 ISBN- 978-93-80756-80-6	Application of Ayurvedic fundamentals in present scenario Publisher – Government PG Ayurvedic college and hospital, Chaukaghat, Varanasi
4.	धर्मदर्शने मानवीयमूल्यानि	2019 ISSN – 2249-6749	शोध प्रवाह Publisher – Dept. of Sanskrit L.S. college B.R.A., Bihar University
5.	नेपाल एवं भूटान में नाथ सम्प्रदाय का प्रभाव	2020 ISBN- 978-81-943764-8-4	नाथ पन्थ साधना और साहित्य Publisher – उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
6.	एकात्म मानववाद की अवधारणा	2021 ISSN- 0975-7457	शोधमाला Publisher – शैक्षिक एवं अनुसन्धान संस्थान, मिर्जापुर
7.	भारतीय वाङ्मय को आचार्य विद्यासागर महाराज का योगदान	2021	आचार्य विद्यासागर विरचित षट्शतीग्रन्थीय श्रमणशतकविमर्शः Publisher – जैन बौद्ध विभाग, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय, काशी हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी
8.	जल संकट एक विमर्श	2021 ISSN- 2581-4133	शैक्षिक मन्थन Publisher – राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ
9.	सेव्यतां संस्कृतं सदा	2021 ISBN- 978-93-90964-27-7	पश्यन्ती Publisher – विद्याश्री न्यास
10.	वाल्मीकि रामायणे दर्शनम्	2021 ISSN – 2277-4416	सारस्वती सुषमा Publisher – सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय
11.	यमः संयमतामहम् (दण्डधारियों में मैं यमराज हूँ)	2021 ISBN- 978-81-950812-9-5	श्रीमद्भगवद्गीतोक्त भगवद्विभूतिविमर्श Publisher – Kolhan University, Chaibasa

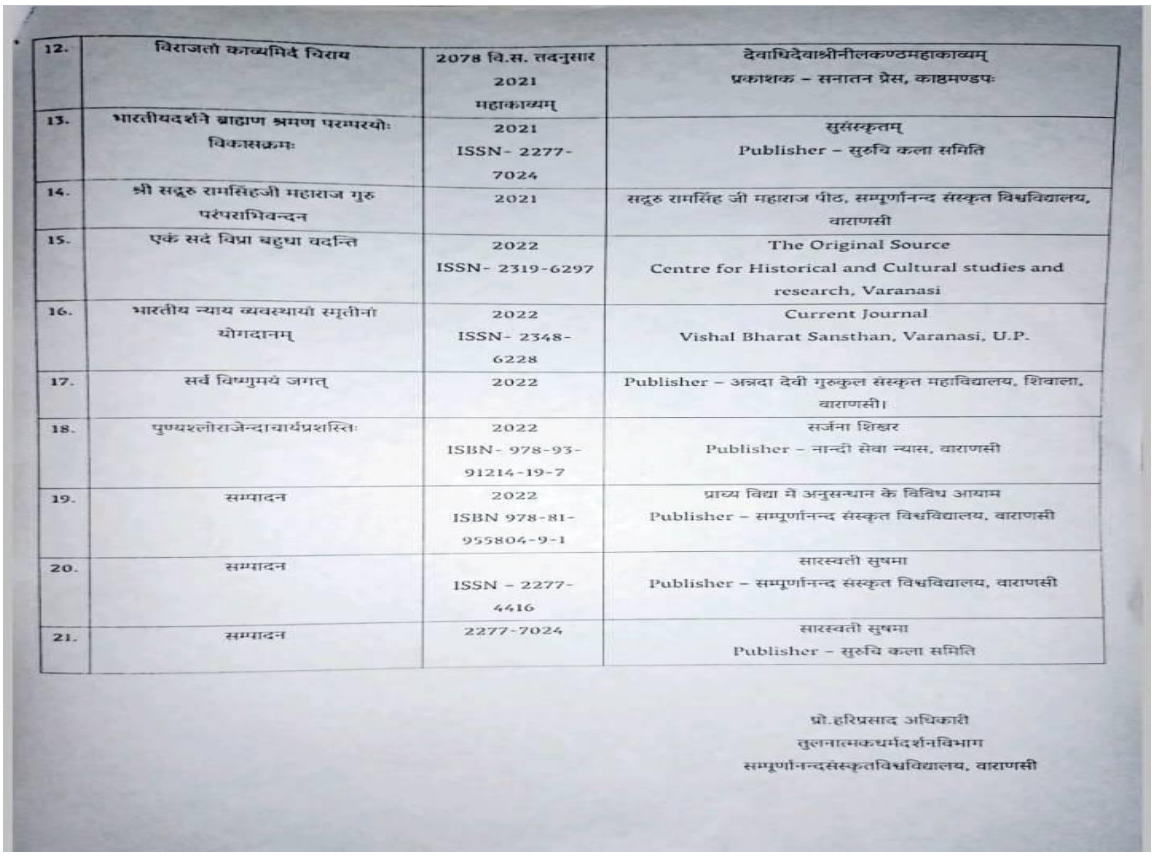

12.	विराजतो काव्यमिदं चिराय	2078 वि.स. तदनुसार 2021 महाकाव्यम्	देवाधिदेवाश्रीनीलकण्ठमहाकाव्यम् प्रकाशक – सनातन प्रेस, काष्ठमण्डपः
13.	भारतीयदर्शने ब्राह्मण श्रमण परम्परयोः विकासक्रमः	2021 ISSN- 2277-7024	सुसंस्कृतम् Publisher – सुरुचि कला समिति
14.	श्री सद्गुरु रामसिंहजी महाराज गुरु परंपराभिवन्दन	2021	सद्गुरु रामसिंह जी महाराज पीठ, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
15.	एकं सदं विप्रा बहुधा वदन्ति	2022 ISSN- 2319-6297	The Original Source Centre for Historical and Cultural studies and research, Varanasi
16.	भारतीय न्याय व्यवस्थायां स्मृतीनां योगदानम्	2022 ISSN- 2348-6228	Current Journal Vishal Bharat Sansthan, Varanasi, U.P.
17.	सर्वं विष्णुमयं जगत्	2022	Publisher – अन्नदा देवी गुरुकुल संस्कृत महाविद्यालय, शिवाला, वाराणसी।
18.	पुण्यश्लोराजेन्द्राचार्यप्रशस्तिः	2022 ISBN- 978-93-91214-19-7	सर्जना शिखर Publisher – नान्दी सेवा न्यास, वाराणसी
19.	सम्पादन	2022 ISBN 978-81-955804-9-1	प्राच्य विद्या में अनुसन्धान के विविध आयाम Publisher – सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
20.	सम्पादन	ISSN – 2277-4416	सारस्वती सुषमा Publisher – सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
21.	सम्पादन	2277-7024	सारस्वती सुषमा Publisher – सुरुचि कला समिति

प्रो.हरिप्रसाद अधिकारी
तुलनात्मकधर्मदर्शनविभाग
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय, वाराणसी

प्रो. रमेश प्रसाद, आचार्य, पाली एवं थेरवाद विभाग, संसं.वि.वि. द्वारा प्रकाशित09 शोधपत्र -2018-2023

PROF. RAMESH PRASAD

Deptt. of Pali & Theravada

Data for NAAC : 2018-19 to 2022-23

1. Books / Journals Published :

Sr. No.	Name of the book	Publisher	ISBN No.	Year
1	Dharmadoot journal (Vol.84)	Maha Bodhi Society of India, Sarnath, Varanasi	ISSN: 2347-3428 Editor	2018
2	Nibbana Bodhi (Vol. XII)	Kushinagar Bhikkhu Sangha, Kushinagar	2229-3728 Advisory Board	2018
3	Dharmadoot journal (Vol.85)	Maha Bodhi Society of India, Sarnath, Varanasi	ISSN: 2347-3428 Editor	2019
4	Dharmadoot journal (Vol.86)	Maha Bodhi Society of India, Sarnath, Varanasi	ISSN: 2347-3428 Editor	2020
5	Pali Patipada (Vol. 1)	Pali Society of India, Varanasi	Editor	2021
6	Dharmadoot journal (Vol.87)	Maha Bodhi Society of India, Sarnath, Varanasi	ISSN: 2347-3428 Editor	2021
7	Dharmadoot journal (Vol.88)	Maha Bodhi Society of India, Sarnath, Varanasi	ISSN: 2347-3428 Editor	2022

2. Research papers published :

Sr. No.	Name of the article	Publisher	Year	ISBN/ISSN No.
1	An Introduction to Yamakkapakkarana	Dharmadoot, Vol.84, Sarnath	Nov. 01, 2018	ISSN: 2347-3428
2	Pali parampara me Ruparup Dhyan Bhavana	Proceeding of National Seminar on Buddhist Studies, CIHTS, Sarnath	Dec. 23, 2018	

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi